संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 299
पृष्ठ 8
रविवार
19 जुलाई 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- नहाने से 1 घंटा पहले दही...

विचार- मात्र महिला और मात्र पुरुष?

खेल- सचिन ने सोबर्स के साथ बिताए...

अब प्रदेश में दंगा नहीं, विकास और सुशासन है : योगी

सीएम योगी : बहुत हुआ अत्याचार, अब संभल में तुर्क की तुर्कई नहीं चलेगी, हरिहर भगवान की मर्जी से काम होगा।

500 वर्ष पहले संभल की आस्था और संस्कृति पर चोट पहुंचाई गई थी : योगी।

संभल, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को बहजोई के निकट फत्तेहपुर शरीफनगर गांव पहुंचकर 569 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने विकास प्रदर्शनी का अवलोकन किया और विभिन्न विभागों की योजनाओं की जानकारी ली।

कार्यक्रम स्थल पर भाजपा कार्यकर्ताओं और अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने प्रस्तावित इंटीग्रेटेड मुख्यालय भवन परिसर में आयोजित जनसभा के दौरान संभल, चंदौसी, गुन्नौर और असमोली विधानसभा क्षेत्रों से जुड़ी परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

उन्होंने 68.96 करोड़ रुपये की 12 परियोजनाओं का लोकार्पण किया, जबकि करीब 500 करोड़ रुपये की 56 परियोजनाओं की आधारशिला रखी। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रशासन की ओर से अतिक्रमण मुक्त कराई गई सरकारी जमीनों के पट्टे भी भूमिहीन परिवारों को वितरित किए। प्रशासन के अनुसार करीब 50 वर्षों से कब्जे में रही इन जमीनों को हाल में मुक्त कराया गया है।

> आक्रांता केवल खजाना नहीं लूटते, बल्कि धर्म और संस्कृति को भी रौंदने का काम करते हैं। यही पाप संभल में भी किया गया था। श्रीहरि विष्णु और भगवान हरिहर के पवित्र मंदिर को तोड़ा गया, 68 तीर्थों को अपवित्र किया गया।
>
> *योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री*

संभल के बहजाई में जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भगवान विष्णु के दसवें अवतार की भूमि और सनातन परंपरा के पावन तीर्थ सत्यव्रत से अपनी यात्रा शुरू करने वाला यह क्षेत्र आज संभल के रूप में जाना जाता है। उन्होंने भगवान हरिहर की पावन धरा को कोटि-कोटि नमन करते हुए उपस्थित लोगों का अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें जनपद संभल के चंदौसी में गणपति की 145 फीट ऊंची प्रतिमा और मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम की 151 फीट ऊंची प्रतिमा के अनावरण का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि चंदौसी को यह भव्य उपहार देने वाले सभी महानुभाव बधाई के पात्र हैं।

देश का पहला निजी अंतरिक्ष यान 'विक्रम-1' अपनी कक्षा तक पहुंचने में सफल

श्रीहरिकोटा (आंध्र प्रदेश), एजेंसी। देश के पहले निजी तौर पर विकसित आर्बिटल क्लास रॉकेट शविक्रम-1श ने शनिवार को यहां से सफलतापूर्वक अंतरिक्ष के लिए उड़ान भरी और अपनी लक्षित कक्षा तक पहुंचने में सफल रहा। इस उड़ान को देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

हैदराबाद स्थित श्स्काईरूट एयरोस्पेसश द्वारा विकसित इस प्रक्षेपण यान की पहली परीक्षण उड़ान को शमिशन आगमनश नाम दिया गया है। इसने यहां स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के प्रथम प्रक्षेपण मंच से दोपहर 12.05 बजे अंतरिक्ष के लिए उड़ान भरी।

लगभग 36 घंटे की सुचारू उल्टी गिनती (काउंटडाउन) के बाद, 40 टन वजनी और 22 मीटर ऊंचे इस यान के स्वचालित प्रक्षेपण अनुक्रम के शुरू होते ही तकनीकी खराबी आ गई थी। इस खराबी को तुरंत ठीक किया गया और सभी प्रणालियों की अंतिम जांच के लिए 20 मिनट की एक नयी उल्टी गिनती शुरू की गई, जिसके बाद यान ने बादलों से घिरे आकाश में उड़ान भरी।

लगभग 15 मिनट की उड़ान अवधि और सभी चरणों के सफलतापूर्वक पूरे होने बाद, यान ठीक 450 किलोमीटर की ऊंचाई और 60 डिग्री के झुकाव पर अपनी लक्षित कक्षा में पहुंच गया। यान के कक्षा में पहुंचते ही भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के नियंत्रण कक्ष में खुशी की लहर दौड़ गई और इसरो अध्यक्ष डॉ. वी. नारायणन ने अन्य वैज्ञानिकों को बधाई दी। इसरो ने यान के कक्षा में पहुंचने के बाद घोषणा की, षविक्रम-1 अभियान सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

इस अभियान के प्रतीकात्मक भार (पेलोड) में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हाथ से लिखा एक पोस्टकार्ड भी शामिल है, जिस पर वंदे मातरम अंकित है।

स्काईरूट एयरोस्पेस युवाओं की प्रतिभा, दृढ़ संकल्प और उद्यमशीलता की भावना का प्रतीक : मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्काई रूट एयरोस्पेस विक्रम 1 के प्रक्षेपण को देश की अंतरिक्ष यात्रा के लिए ऐतिहासिक क्षण करार देते हुए युवाओं की प्रतिभा, दृढ़ संकल्प और उद्यमशीलता की भावना का प्रतीक बताया है। श्री मोदी ने प्रक्षेपण से पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि सरकार द्वारा किए जा रहे अंतरिक्ष-क्षेत्र के सुधार नवाचार और उद्यम के लिए नए अवसरों का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं।

उन्होंने कहा,ष भारत की अंतरिक्ष यात्रा के लिए एक ऐतिहासिक नया क्षितिज! आज प्रातः 11 बजकर 30 मिनट पर स्काईरूट एयरोस्पेस विक्रम-1 का प्रथम कक्षीय प्रक्षेपण होगा, जो भारत का पहला निजी रूप से विकसित प्रक्षेपण यान है। यह चार-चरणीय रॉकेट तीव्र तथा मांग के अनुसार प्रक्षेपण सेवाएँ प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह मिशन हमारे युवाओं की प्रतिभा, दृढ़ संकल्प और उद्यमशीलता की भावना को उजागर करता है। यह यह भी दर्शाता है कि हमारे अंतरिक्ष-क्षेत्र के सुधार नवाचार और उद्यम के लिए नए अवसरों का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं।

सोनम वांगचुक का अस्पताल में दवा लेने से इनकार

अनशन के 21वें दिन पुलिस ने जंतर-मंतर से उठाया, सीजेपी फाउंडर दीपके पर स्याही फेंकी गई

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के जंतर-मंतर पर 21 दिन से भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक को शनिवार सुबह पुलिस उठाकर सफदरजंग अस्पताल ले गई। अस्पताल प्रशासन ने 2 बुलेटिन जारी करके बताया है कि वांगचुक को डिहाइड्रेशन हुआ है, लेकिन उन्होंने दवा लेने से इनकार कर दिया है।

वांगचुक पेपर लीक मामले की जांच और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर अनशन कर रहे हैं। उनकी सेहत लगातार गिरती जा रही थी। वजन भी 9.5 किलो तक कम हो चुका है।

सुबह करीब 7 बजे पुलिस सिविल ड्रेस में पहुंची और वांगचुक को सफेद चादर में उठाकर ले गई। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के

बीच जमकर हंगामा हुआ।

दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को केंद्र और दिल्ली सरकार को आदेश दिया था कि वांगचुक का रोजाना मेडिकल चेकअप किया जाए और जरूरत पड़ने पर उनका इलाज कराया जाए।

सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे भी सोनम वांगचुक के समर्थन में आ गए हैं। उन्होंने कहा है कि सरकार को किसी दुखद नतीजे का इंतजार नहीं करना चाहिए और बातचीत करने में कोई बुराई नहीं है।

इधर वांगचुक को हॉस्पिटल भेजे जाने के बाद कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने भूख हड़ताल शुरू कर दी है। वे जब मंच से नीचे आकर बैठे तो एक महिला ने दीपके पर स्याही फेंक दी।

ब्लड गैस एनालिसिस में सामने आया है कि वांगचुक के शरीर में अम्ल-क्षार संतुलन बिगड़ गया है। सीरम पोटैशियम का स्तर घटकर 2.8 mg/dL था।

दोबारा जांच में भी पोटैशियम का स्तर लगभग समान रहा। यूरिन कीटोन (Urinary Ketones) भर्ती के समय 1 थे, जो दोपहर 1 बजे तक बढ़कर 3 हो गए।

कम्पनसेटेड एसिडोसिस क्या है : यह ऐसी स्थिति है जिसमें शरीर का चभ बिगड़ने लगता है, लेकिन फेफड़े और किडनी उसे सामान्य रखने की कोशिश करते हैं। लंबे उपवास, डिहाइड्रेशन या अन्य कारणों से ऐसा हो सकता है।

पोटैशियम कम होने हाइपोकेलेमिया का खतरा : सामान्यतः रक्त में पोटैशियम 3.5-5.0 mEq/L के बीच होता है।

सोनम वांगचुक प्रकरण पर खरगे का केंद्र पर हमला, बोले

जंतर-मंतर की घटना लोकतंत्र पर काला धब्बा

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अनशन पर बैठे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को उठाकर अस्पताल ले जाने की कार्रवाई पर केंद्र सरकार की आलोचना की और कहा जंतर मंतर पर जो हुआ वह लोकतंत्र और संविधान पर एक और काला धब्बा है। श्री खरगे ने शनिवार को सोशल मीडिया पर जारी अपने संदेश में कहा कि जंतर-मंतर पर जो हुआ, वह लोकतंत्र और संविधान पर एक और काला धब्बा है। उन्होंने कहा कि चाहे माँ गंगा को बचाने के लिए 111 दिनों तक आमरण अनशन पर बैठे प्रो. जी. डी. अग्रवाल हों, हरियाणा की ओलंपिक महिला पहलवान हों, 750 आंदोलनकारी किसान, दलित-आदिवासी समुदाय या फिर पेपर लीक से प्रभावित छात्र और उनके परिजन, इस सरकार ने किसी की आवाज नहीं सुनी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की नजर में जो भी अपनी बात उठाता है, उसे "राष्ट्रविरोधी" या "परजीवी" करार दिया जाता है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक विरोध को दबाने की यह प्रवृत्ति चिंताजनक है।

सरकार की 12 वर्षों की लगातार कोशिशों से बेहतर हुई हैं रक्षा तैयारी : राजनाथ

नयी दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर को भारत की आधुनिक और बेहतरीन रक्षा तैयारियों का सबूत बताते हुए कहा है कि ये तैयारी सरकार की पिछले 12 वर्षों की लगातार कोशिशों से और बेहतर हुई हैं और ये श्राष्ट्र सर्वोपरिश तथा श्सेना सर्वोपरिश की भावना से प्रेरित हैं। श्री सिंह ने शनिवार को यहां एक कार्यक्रम में ऑपरेशन सिंदूर को भारतीय रक्षा बलों की बेमिसाल बहादुरी की याद दिलाने वाला बताया। उन्होंने कहा कि सशस्त्र बलों ने आतंकवादियों और उन्हें पनाह देने वालों को मुंहतोड़ जवाब दिया, जो आतंकवाद के खिलाफ सरकार के सख्त रुख को दिखाता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि श्आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंसश सिर्फ एक बयान नहीं, बल्कि कार्रवाई का एक तरीका है। उन्होंने दोहराया कि भारत आतंकवाद के खिलाफ

न केवल अपनी सीमा पर, बल्कि उनके गढ़ में घुसकर भी हमला करने की क्षमता रखता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर जैसे मुश्किल ऑपरेशन को सफलतापूर्वक पूरा करने में भारत के बदले हुए रक्षा क्षेत्र ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने इसे प्रौद्योगिकी पर आधारित युद्ध का एक शानदार उदाहरण और भारतीय उद्योगों पर सरकार के भरोसे का सबूत बताया। उन्होंने कहा, ष्ऑपरेशन के दौरान आकाश तीर, आकाश मिसाइल सिस्टम और ब्रह्मोस जैसे एडवांस्ड सिस्टम के साथ-साथ कई अन्य अत्याधुनिक उपकरणों का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया गया। यह सब पिछले 12 वर्षों में रखी गई मजबूत नींव की वजह से संभव हुआ है।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का जिक्र करते हुए श्री राजनाथ सिंह ने बताया कि रक्षा बलों द्वारा अब तक रक्षा साजो सामान के स्वदेशीकरण से संबंधित पांच सकारात्मक सूची जारी की गई हैं जिनमें 509 उपकरण शामिल हैं।

अलंकरण समारोह

शहर समता विचार मंच, प्रयागराज

(शहर समता समूह द्वारा संचालित)

महिला श्री साहित्य साधना सम्मान 2026

अध्यक्षता - प्रो रवि कुमार मिश्र
मुख्य अतिथि - श्री रंजन पाण्डेय
विशिष्ट अतिथि - श्री संजय सक्सेना

स्थान - शहर समता कार्यालय कर्नलगंज थाने के पीछे
25 जुलाई दिन शनिवार शाम 4बजे

साहित्यिक संयोजक
रचना सक्सेना

कार्यक्रम संयोजक
डॉ प्रदीप चित्रांशी
अरविन्द पाण्डेय

संस्थापक /सचिव
उमेश श्रीवास्तव

पंत छात्रावास को कराया गया खाली, भारी फोर्स के बीच कार्रवाई, छात्रों का गुस्सा भड़का

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने शनिवार को पंत छात्रावास को खाली करा लिया। भारी फोर्स के साथ पहुंचे विवि प्रशासन के अधिकारियों ने बलपूर्वक हॉस्टल को खाली करा लिया। इसको विरोध में छात्रों का गुस्सा फूट गया। इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने शनिवार को पंत छात्रावास को खाली करा लिया। भारी फोर्स के साथ पहुंचे विवि प्रशासन के अधिकारियों ने बलपूर्वक हॉस्टल को खाली करा लिया। इसको विरोध में छात्रों का गुस्सा फूट गया। पुलिस और विवि प्रशासन से छात्रों की तीखी नोकझोंक हुई। छात्रों ने जमकर नारेबाजी की। समाज कल्याण विभाग से संचालित होने वाले पंत छात्रावास में बड़ी संख्या में प्रतियोगी छात्र रहकर तैयारी करते हैं। तमाम छात्र लंबे समय से यहां पर डेरा जमाए हुए हैं। कई बार उनको बाहर निकालने का प्रयास किया गया लेकिन सफलता नहीं मिली। कुछ दिन पहले विवि प्रशासन और पुलिस ने वॉश आउट की रणनीति तैयार की। रविवार को जब फोर्स के साथ विवि प्रशासन के अधिकारी वॉश आउट के लिए पहुंचे तो हंगामा शुरू हो गया। छात्रों ने इसे मनमानी करार दिया।

विवि प्रशासन के अधिकारियों पर कई तरह के आरोप भी लगाए गए। पुलिस ने जबरन हॉस्टल को खाली कराकर ताला जड़ दिया। विवि प्रशासन का कहना है कि हॉस्टल की मरम्मत और व्यापक साफ सफाई के लिए यह कदम उठाया गया है। छात्रों का कहना है छात्रावास में गरीब और मजदूरों के बच्चे रहते हैं। प्रशासन जबरन हॉस्टल खाली करा रहा है। ऐसे में गरीब बच्चे कहां जाएंगे। उनकी तैयारी प्रभावित होगी। जिला प्रशासन और इलाहाबाद विवि प्रशासन तानाशाही पर उतारू है।

एंटी करप्शन ने 25 हजार की रिश्वत लेते दरोगा रंगे हाथ गिरफ्तार, धारा कम करने के लिए मांग रहा था पैसे

प्रयागराज। सोरांव थाने में तैनात उपनिरीक्षक संयम जायसवाल को भ्रष्टाचार निवारण संगठन (एंटी करप्शन) की टीम ने शनिवार को 25 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

सोरांव थाने में तैनात उपनिरीक्षक संयम जायसवाल को भ्रष्टाचार निवारण संगठन (एंटी करप्शन) की टीम ने शनिवार को 25 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। आरोप है कि वह एक मामले की विवेचना के दौरान धाराएं कम करने के एवज में शिकायतकर्ता से घूस मांग रहे थे। शिकायत मिलने के बाद भ्रष्टाचार निवारण टीम ने जाल बिछाया। तय योजना के अनुसार शिकायतकर्ता ने जैसे ही 25 हजार रुपये दरोगा को दिए, टीम ने मौके पर पहुंचकर उन्हें रंगे हाथ पकड़ लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी उपनिरीक्षक को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए अपने साथ ले जाया गया। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। एंटी करप्शन टीम पूरे प्रकरण में आगे की विधिक कार्रवाई कर रही है।

केवल रक्तस्राव के दावे के आधार पर दुष्कर्म नहीं कहा जा सकता, पॉक्सो के तहत सुनाई गई सजा निरस्त

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि दुष्कर्म या यौन उत्पीड़न के मामलों में केवल चोट का न होना, अपने आप आरोपों को खारिज नहीं करता। पॉक्सो एक्ट के तहत आरोपी को सुनाई गई उम्रकैद की सजा को कोर्ट ने निरस्त कर दिया। लैंगिक हमले का दोषी मानते हुए जेल में बिताई गई पांच साल आठ माह की सजा को ही पर्याप्त मानते हुए आरोपी को रिहा करने का आदेश दे दिया। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि दुष्कर्म या यौन उत्पीड़न के मामलों में केवल चोट का न होना, अपने आप आरोपों को खारिज नहीं करता। लेकिन, यदि अभियोजन स्वयं रक्तस्राव या शारीरिक चोट का विशेष दावा करे और उसी समय की मेडिकल जांच में किसी भी प्रकार की बाहरी या भीतरी चोट न मिले और इसका कोई संतोषजनक स्पष्टीकरण भी न हो, तो ऐसे में दुष्कर्म नहीं कहा जा सकता। इस टिप्पणी के साथ हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट की ओर से दुष्कर्म और पॉक्सो अधिनियम के तहत सुनाई गई उम्रकैद की सजा को निरस्त कर दिया। साथ ही लैंगिक हमले का दोषी मानते हुए जेल में बिताई गई पांच साल आठ माह की सजा को ही पर्याप्त माना। यह आदेश न्यायमूर्ति सलील कुमार राय और न्यायमूर्ति विनय कुमार द्विवेदी की खंडपीठ ने वाराणसी निवासी सुनील की याचिका पर दिया।

आरोपी के खिलाफ वाराणसी के रोहनिया थाने में दुष्कर्म और पॉक्सो के मामले में एफआईआर दर्ज हुई थी। मामले में पांच वर्षीय बच्ची की मां ने आरोप लगाया था कि घटना के बाद बच्ची के कपड़े और पैरों पर खून था। वहीं, घटना की रात हुए मेडिकल परीक्षण में शरीर पर कोई बाहरी अथवा भीतरी चोट नहीं मिली।

कोर्ट ने कहा कि पीड़िता ने ट्रायल कोर्ट में रक्तस्राव की बात नहीं कही और न ही दुष्कर्म का आरोप लगाया। मजिस्ट्रेट क समक्ष लगभग दो माह बाद दर्ज बयान में रक्तस्राव का उल्लेख किया गया। लेकिन, ऐसा बयान उस तथ्य का पुष्टिकरण नहीं कर सकता जिसकी गवाही अदालत में नहीं दी गई हो। इसलिए ट्रायल कोर्ट की ओर से केवल उस बयान के आधार पर दुष्कर्म मान सही नहीं कहा जा सकता। हालांकि, कोर्ट ने पीड़िता की पूरी गवाही अस्वीकार नहीं की। कोर्ट ने कहा कि रिकॉर्ड से यह साबित होता है कि आरोपी बच्ची को छत पर ले गया। उसके साथ दुष्कर्म का प्रयास किया। इसे बिना प्रवेश वाला गंभीर लैंगिक हमला मानते हुए कोर्ट ने आरोपी को पहले से काटी गई पांच वर्ष आठ माह की सजा को ही पर्याप्त माना और 50 हजार रुपये का जुर्माना भी बरकरार रखा।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद रू कारसेवा के एलान पर हाईकोर्ट ने डीएम और एसएसपी से तलब की रिपोर्ट

प्रयागराज। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद अखाड़ा परिषद व अन्य साधु-संतों की ओर से नौ अगस्त को श्रीकृष्ण जन्मभूमि के विवादित स्थल पर कारसेवा करने के एलान पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मथुरा के डीएम और एसएसपी से शांति-व्यवस्था को लेकर सीलबंद लिफाफे में रिपोर्ट तलब की है। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद अखाड़ा परिषद व अन्य साधु-संतों की ओर से नौ अगस्त को श्रीकृष्ण जन्मभूमि के विवादित स्थल पर कारसेवा करने के एलान पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मथुरा के डीएम और एसएसपी से शांति-व्यवस्था को लेकर सीलबंद लिफाफे में रिपोर्ट तलब की है। यह आदेश न्यायमूर्ति अवनीश सक्सेना की अदालत ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद से जुड़े 18 मूल वादों पर एक साथ सुनवाई करते हुए दिया है। मूल वाद संख्या चार की वादी संस्था श्री कृष्ण जन्मभूमि निर्माण ट्रस्ट की ओर से अदालत में जन्मभूमि परिसर में शांति व्यवस्था कायम रखने को लेकर अर्जी दाखिल की गईं। मांग की है कि कारसेवा के एलान के मद्देनजर जन्मभूमि परिसर किसी प्रकार के आयोजन और किसी व्यक्ति अथवा समूह के प्रवेश पर रोक लगाई जाए, जिससे सार्वजनिक शांति भंग होने की आशंका हो।

24 घंटे में 63 सेंटीमीटर बढ़ी गंगा, यमुना की रफ्तार थमी, अगले दो दिन और बढ़ेगा जलस्तर

प्रयागराज। गंगा और यमुना के जलस्तर में शुक्रवार को भी बढ़ोतरी दर्ज की गई। हालांकि शाम होते-होते यमुना का जलस्तर स्थिर हो गया और गंगा की बढ़ोतरी की रफ्तार भी धीमी पड़ गई। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) के अनुसार गंगा ने 24 घंटे में 63 सेंटीमीटर की छलांग लगाई, जबकि यमुना में 33 सेंटीमीटर की वृद्धि हुई। दोनों नदियां अभी खतरे के निशान से काफी नीचे हैं, लेकिन अगले 48 घंटे तक जलस्तर में क्रमिक बढ़ोतरी जारी रहने का अनुमान है।

प्रयागराज में गंगा और यमुना के जलस्तर में शुक्रवार को भी बढ़ोतरी का सिलसिला जारी रहा, हालांकि शाम होते-होते यमुना स्थिर हो गई और गंगा की रफ्तार भी धीमी पड़ गई। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार सुबह आठ बजे फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 77.69 मीटर दर्ज किया गया, जो पिछले 24 घंटे में 63 सेंटीमीटर बढ़ा। 1500 बाइट में खबर बनाएं। पुराना और आगामी अनुमान को जोड़कर वहीं, नैनी में यमुना 73.81 मीटर पर पहुंची और 33 सेंटीमीटर की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

शाम चार बजे तक फाफामऊ में गंगा का जलस्तर बढ़कर 77.82 मीटर हो गया, जबकि नैनी में यमुना 73.83 मीटर पर स्थिर रही। रात आठ बजे गंगा 77.84 मीटर पर पहुंची और चार घंटे में दो सेंटीमीटर की मामूली बढ़ोतरी हुई। दूसरी ओर यमुना एक सेंटीमीटर घटकर 73.82 मीटर दर्ज की गई। हालांकि दोनों नदियों का

जलस्तर बढ़ा है, लेकिन 84.734 मीटर के खतरे के निशान से अभी काफी नीचे है।

केंद्रीय जल आयोग के अनुसार शुक्रवार सुबह आठ बजे फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 77.69 मीटर दर्ज किया गया, जो पिछले 24 घंटे में 63 सेंटीमीटर अधिक रहा। वहीं नैनी में यमुना 73.81 मीटर पर पहुंची और 33 सेंटीमीटर की बढ़ोतरी दर्ज की गई। शाम चार बजे तक गंगा का जलस्तर बढ़कर 77.82 मीटर हो गया, जबकि यमुना 73.83 मीटर पर स्थिर रही। रात आठ बजे गंगा 77.84 मीटर पर पहुंची और चार घंटे में केवल दो सेंटीमीटर बढ़ी।

दूसरी ओर यमुना एक सेंटीमीटर घटकर 73.82 मीटर दर्ज की गई, जिससे संकेत मिला कि उसकी बढ़ोतरी फिलहाल थम गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि गंगा के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में लगातार बारिश और बैराजों से छोड़े जा रहे पानी का असर प्रयागराज में अगले दो दिनों तक देखने को मिल सकता है। हालांकि फिलहाल जलस्तर बढ़ने की गति पहले की तुलना में धीमी हो गई है। यदि भारी बारिश का नया दौर नहीं आया तो वृद्धि क्रमिक रहने की संभावना है।

गंगा और यमुना दोनों का जलस्तर अभी 84.734 मीटर के खतरे के निशान से काफी नीचे है। इसके बावजूद जिला प्रशासन ने बाढ़ चौकियों को सतर्क रहने, तटीय क्षेत्रों की निगरानी बढ़ाने और एसडीआरएफ व अन्य राहत एजेंसियों को अलर्ट मोड में रखा है। संगम क्षेत्र और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों से भी प्रशासन लगातार सतर्कता बरतने की अपील कर रहा है।

खतरे के निशान से अभी काफी नीचे

गंगा और यमुना दोनों नदियों का जलस्तर खतरे के निशान 84.734 मीटर से काफी नीचे है, लेकिन लगातार बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन सतर्क है।

अगले 48 घंटे अहम

मौसम और ऊपरी क्षेत्रों से पानी की आवक को देखते हुए अगले दो दिन जलस्तर में और बढ़ोतरी की संभावना जताई गई है, हालांकि वृद्धि की रफ्तार धीमी रहने का अनुमान है।

फर्जी हस्ताक्षर मामले में याची, अधिवक्ता पर आपराधिक कार्यवाही का आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक जनहित याचिका में फर्जी हस्ताक्षर और दस्तावेज के इस्तेमाल के मामले में याची और उनके अधिवक्ता के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई शुरू करने का आदेश दिया है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक जनहित याचिका में फर्जी हस्ताक्षर और दस्तावेज के इस्तेमाल के मामले में याची और उनके अधिवक्ता के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई शुरू करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी की रिपोर्ट और अधिवक्ता की ओर से दिए गए स्पष्टीकरण के आधार पर प्रथमदृष्टया भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत अपराध बनता है।

मामले की सुनवाई प्रयागराज के क्षेत्राधिकार वाले मजिस्ट्रेट की ओर से बीएनएसएस की धारा 379 और अन्य प्रासंगिक प्रावधानों के अनुसार की जाएगी। यह आदेश मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली और न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेंद्र की खंडपीठ ने संगीता गुप्ता की जनहित याचिका पर दिया। मामला कुशीनगर जिले की एजुकेशन सोसाइटी और इंटर कॉलेज में प्रबंधक की नियुक्ति में कथित अनियमितताओं को लेकर दायर जनहित याचिका से जुड़ा है।

प्रतिवादी ने आरोप लगाया कि याचिका वापस लेने के आवेदन पर उसके अधिवक्ता के हस्ताक्षर जाली किए गए हैं। यह भी आरोप लगाया गया कि याची की ओर से पेश होने वाले अधिवक्ता फर्जी पहचान का इस्तेमाल कर रहे हैं। अलग-अलग तारीखों पर अलग-अलग व्यक्ति, यहां तक कि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भी, याची के अधिवक्ता के रूप में पेश हुए। साथ ही न्यायालय में दाखिल विभिन्न दस्तावेजों पर किए गए हस्ताक्षरों में भी असमानता होने का आरोप लगाया गया।

कोर्ट ने लखनऊ के एफएसएल से अभिलेख और अन्य संबंधित दस्तावेजों पर मौजूद हस्ताक्षरों की जांच कराई। एफएसएल रिपोर्ट में हस्ताक्षरों में विसंगतियां मिलने के बाद याची के अधिवक्ता ने व्यक्तिगत शपथपत्र दाखिल कर कहा कि वह पॉलीयूरिया-पॉलीडिप्सिया बीमारी से पीड़ित हैं, जिसके कारण पहले जैसे हस्ताक्षर नहीं कर पा रहे हैं।

कोर्ट ने इस स्पष्टीकरण को स्वीकार नहीं किया और कहा कि प्रथमदृष्टया अपराध बनता है। चूंकि कथित अपराध न्यायालय के समक्ष हुआ है। इसलिए बीएनएसएस के तहत न्यायालय स्वयं शिकायत दर्ज कराएगा। कोर्ट ने संबंधित अधिकारी से शिकायत पर हस्ताक्षर कराने का निर्देश देते हुए याची और उनके अधिवक्ता के विरुद्ध शिकायत दर्ज कराने का आदेश दिया।

कोर्ट ने कहा कि चूंकि प्रथमदृष्टया पूरी याचिका की स्थापना ही कूटरचना, दस्तावेजों के निर्माण और अन्य कथित कदाचार का परिणाम प्रतीत होती है। इसलिए इस जनहित याचिका पर आगे की सुनवाई मजिस्ट्रेट के निर्णय तक स्थगित रहेगी।

मंत्री संजय निषाद बोले: हर निषाद बाहुल्य गांव में बनेगी डिजिटल लाइब्रेरी, शिक्षा से ही होगी समाज का उत्थान

प्रयागराज। निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद ने कहा कि निषाद बहुल गांवों में डिजिटल लाइब्रेरी, प्रशिक्षण केंद्र, मैरिज हॉल और अन्य सामुदायिक सुविधाएं विकसित करने की योजना बनाई जा रही है। निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद ने कहा कि निषाद बाहुल्य गांवों में डिजिटल लाइब्रेरी, प्रशिक्षण केंद्र, मैरिज हॉल और अन्य सामुदायिक सुविधाएं विकसित करने की योजना बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही समाज के उत्थान का सबसे बड़ा माध्यम है, इसलिए गरीब बच्चों को गांव में ही पढ़ाई, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और ऑनलाइन सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने कहा कि निषाद पार्टी ने समाज को नई राजनीतिक पहचान दिलाई है और आज पार्टी के विधायक, जनप्रतिनिधि व पदाधिकारी

सरकार में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। डॉ. निषाद ने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने का आह्वान करते हुए कहा कि मजबूत संगठन ही समाज को राजनीतिक भागीदारी, रोजगार और अधिकार दिला सकता है। उन्होंने 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा-निषाद पार्टी गठबंधन की ऐतिहासिक जीत का दावा करते हुए कार्यकर्ताओं से गांव-गांव तक पार्टी का संदेश पहुंचाने की अपील की।

डॉ. संजय निषाद ने कहा कि निषाद समाज में उनकी स्वीकार्यता किसी व्यक्ति विशेष के दावे से नहीं, बल्कि वर्षों के संघर्ष और कार्यों के आधार पर बनी है। उन्होंने कहा कि निषाद पार्टी ने समाज को राजनीतिक पहचान दिलाई और भाजपा के साथ गठबंधन के जरिए निषाद समाज की भागीदारी बढ़ाई।

हाल ही में दिए गए एक बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि समाज का नेतृत्व केवल दावा करने से नहीं, बल्कि आंदोलन, जेल यात्रा, संगठन निर्माण और समाज के हित में किए गए कार्यों से तय होता है। उन्होंने दावा किया कि निषाद पार्टी बनने के बाद समाज की राजनीतिक ताकत बढ़ी और आज पार्टी के विधायक व जनप्रतिनिधि सरकार में प्रभावी भूमिका निभा रहे हैं। डॉ. निषाद ने आरोप लगाया कि कुछ लोग व्यक्तिगत स्वार्थ के कारण समाज को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन निषाद समाज अब जागरूक है और काम करने वालों के साथ खड़ा है।

68,500 शिक्षक भर्ती 2018: ओबीसी अभ्यर्थियों ने उत्तीर्णांक में 5 प्रतिशत छूट लागू करने की मांग उठाई

प्रयागराज। 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती परीक्षा 2018 के अभ्यर्थियों ने शुक्रवार को सचिव, परीक्षा नियामक प्राधिकारी से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती परीक्षा 2018 के अभ्यर्थियों ने शुक्रवार को सचिव, परीक्षा नियामक प्राधिकारी से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। अभ्यर्थियों ने राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की संस्तुति के अनुसार अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के अभ्यर्थियों को उत्तीर्णांक में 5 प्रतिशत की छूट देते हुए पूर्णांक 150 में 60 अंक (40 प्रतिशत) के आधार पर परिणाम संशोधित कर नई चयन सूची जारी करने की मांग की। भर्ती का नेतृत्व कर रहे अभ्यर्थी तूफान सिंह ने बताया कि आयोग की संस्तुति लागू होने पर ओबीसी अभ्यर्थियों के साथ दिव्यांग, भूतपूर्व सैनिक एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रितों को भी लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि सचिव परीक्षा नियामक प्राधिकारी ने ज्ञापन प्राप्त कर इस विषय पर जल्द उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। अभ्यर्थियों ने ज्ञापन के साथ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की संस्तुति की प्रति भी सौंपी। इस दौरान रवि वर्मा, चन्द्रप्रकाश पटेल, संदीप सिंह, कृष्ण कुमार, अविनाश वर्मा, सुशील यादव, रवि गुप्ता, नीरज सिंह, सच्चिदानंद यादव और अर्चना कुमारी सहित अन्य अभ्यर्थी मौजूद रहे।

प्राविधिक शिक्षा के 26 पदों का परिणाम जारी, 67 अभ्यर्थी साक्षात्कार के लिए सफल

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने प्राविधिक शिक्षा विभाग के तहत चार विषयों में व्याख्याता के 26 पदों पर भर्ती परीक्षा का परिणाम शुक्रवार को घोषित किया। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने प्राविधिक शिक्षा विभाग के तहत चार विषयों में व्याख्याता के 26 पदों पर भर्ती परीक्षा का परिणाम शुक्रवार को घोषित किया। आयोग के सचिव गिरिजेश कुमार त्यागी के जारी आदेश के अनुसार, 228 अभ्यर्थियों में से 67 को साक्षात्कार के लिए सफल घोषित किया गया है। इन पदों के लिए विज्ञापन 15 सितंबर 2021 को जारी किया गया था जबकि लिखित परीक्षा 26 नवंबर 2025 को हुई थी। व्याख्याता (टेक्सटाइल केमिस्ट्री) के तीन, व्याख्याता (टेक्सटाइल इंजीनियरिंग) के छह, व्याख्याता (पेंट टेक्नोलॉजी) के 11 और व्याख्याता (लेदर टेक्नोलॉजी) के छह पदों का परिणाम जारी किया गया है। आयोग के अनुसार, साक्षात्कार की तिथि और विस्तृत सूचना अलग से जारी की जाएगी। आयोग ने स्पष्ट किया है कि यह परीक्षा परिणाम इलाहाबाद हाईकोर्ट में लंबित विशेष अपील में पारित होने वाले अंतिम निर्णय के अधीन रहेगा। अभ्यर्थी विषयवार परिणाम आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर देख सकते हैं।

बीमारी, बेरोजगारी का बहाना बनाकर पति भरण-पोषण से नहीं बच सकता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि बिना प्रमाण बीमारी और बेरोजगारी का बहाना बनाकर पति, पत्नी के भरण पोषण से बच नहीं सकता। भले ही पत्नी एलएलबी डिग्रीधारी हो, उनका पालन पोषण करना उसका का कर्तव्य है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि बिना प्रमाण बीमारी और बेरोजगारी का बहाना बनाकर पति, पत्नी के भरण पोषण से बच नहीं सकता। भले ही पत्नी एलएलबी डिग्रीधारी हो, उनका पालन पोषण करना उसका का कर्तव्य है। इस टिप्पणी संग न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति विवेक सरन की खंडपीठ ने वाराणसी के परिवार न्यायालय के उस आदेश पर मुहर लगा दी, जिसमें पति को तलाक की कार्यवाही लंबित रहने तक पत्नी को 3000 रुपये प्रतिमाह अंतरिम भरण-पोषण देने का निर्देश दिया गया था। कोर्ट ने पति की अपील खारिज कर दी। पति की ओर से दलील दी गई कि वह बीमारी के कारण बेरोजगार है। पत्नी अधिवक्ता हैं। उसकी आय के अन्य स्रोत भी हैं। इससे पहले भी पत्नी का भरण-पोषण का दावा खारिज हो चुका है। हालांकि, कोर्ट ने पाया कि पति ने अपनी बीमारी या बेरोजगारी का कोई दस्तावेजी प्रमाण पेश नहीं किया। इसी तरह पत्नी के वकालत करने या स्वतंत्र आय होने का भी कोई साक्ष्य अभिलेखों में मौजूद नहीं है।

बारिश ने दी उमस भरी गर्मी से राहत, पांच दिन झमाझम के आसार

प्रयागराज। मानसून ने शुक्रवार को प्रयागराज में रफ्तार पकड़ी। शाम को हुई तेज बारिश से उमस भरी गर्मी से लोगों को बड़ी राहत मिली। मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों तक झमाझम बारिश का पूर्वानुमान जताया है। मानसून ने शुक्रवार को प्रयागराज में रफ्तार पकड़ी। शाम को हुई तेज बारिश से उमस भरी गर्मी से लोगों को बड़ी राहत मिली। मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों तक झमाझम बारिश का पूर्वानुमान जताया है। रात साढ़े आठ बजे तक जिले में नौ मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। बीते सप्ताह बृहस्पतिवार और शुक्रवार की दरमियानी रात के बाद शुक्रवार सुबह बूंदाबांदी हुई। शाम करीब तीन बजे कुछ इलाकों में 40 मिनट तक तेज बारिश हुई। इसके बाद बादल एकजुट होकर छा गए। शाम करीब छह बजे से हुई तेज बारिश लोगों के लिए संजीवनी साबित हुई। कई दिनों से उमस भरी गर्मी से परेशान लोगों को इससे राहत मिली। बाहर निकले लोग भीगते हुए भी अपने गंतव्य को जाते दिखे। देर रात तक बारिश का क्रम जारी रहा। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक शैलेष राय के अनुसार, पश्चिमी बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बना है। यह अच्छी बारिश का कारण बनेगा। उन्होंने बताया कि अगले पांच दिनों तक तेज हवाएं चलेंगी। गरज-चमक के साथ तेज बारिश के आसार हैं।

नहर की पटरी टूटने से सैकड़ों बीघा धान की फसल जलमग्न, किसानों में मचा हाहाकार

प्रयागराज। बहरिया इलाके के बादलपुर गांव के पास स्थित शारदा सहायक खंड 39 रजबहा नहर की पटरी देर रात कमजोर होने के कारण अचानक टूट गई। बहरिया इलाके के बादलपुर गांव के पास स्थित शारदा सहायक खंड 39 रजबहा नहर की पटरी देर रात कमजोर होने के कारण अचानक टूट गई। पटरी टूटते ही नहर का पानी तेज बहाव के साथ आसपास के खेतों की ओर बढ़ गया, जिससे सैकड़ों बीघा धान की फसल जलमग्न हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण और किसान मौके पर पहुंच गए तथा नहर विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों को फोन कर सूचना दी। लगभग 12 घंटे से लगातार नहर का पानी खेतों में भरता रहा। कई स्थानों पर एक फीट से अधिक जलभराव हो गया है, जिससे करीब एक सप्ताह पहले रोपी गई धान की फसल चौपट होने की आशंका बढ़ गई है। ग्रामीण दिनेश कुमार यादव ने बताया कि नहर का तेज बहाव लगातार बढ़ता जा रहा है। पानी खेतों को पार कर अब ग्रामीण आबादी की ओर बढ़ रहा है। यदि जल्द नहर का बहाव नहीं रोका गया तो पानी गांव में प्रवेश कर ग्रामीणों के घरों तक पहुंच सकता है। किसानों ने नहर विभाग से तत्काल टूटी हुई पटरी की मरम्मत कर पानी का बहाव रोकने की मांग की है।

अनुपम मिश्रा बने रालोद के कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष

लखनऊ (संवाददाता)। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार जयंत चौधरी के निर्देश पर पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव संगठन त्रिलोक त्यागी ने पार्टी के राष्ट्रीय सचिव अनुपम मिश्रा को उत्तर प्रदेश का कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया है।मीडिया प्रभारी मयंक त्रिवेदी के मुताबिक मनोनयन विधानसभा चुनावों की दृष्टि से संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। संगठन में मेहनत, लगन, निष्ठा और कार्यकुशलता के आधार पर ही महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी जाती हैं। अनुपम मिश्रा लंबे समय से राष्ट्रीय लोकदल की केंद्रीय टीम के प्रमुख सदस्य रहे हैं।

आवश्यक सूचना

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेलयात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित रेलगाड़ियों का निम्न स्टेशनों पर अस्थायी ठहराव प्रदान किये जाने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी संख्या	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान	तिथि से प्रभावी
18102 जम्मू तवी-टाटानगर एक्स.	खुसा	20:15	20:17	21.07.2026
18101 टाटानगर-जम्मू तवी एक्स.		06:03	06:05	20.07.2026
15484 दिल्ली-अलीपूर द्वार एक्स.	अलेसर रोड	10:28	10:30	20.07.2026
15483 अलीपुर द्वार-दिल्ली एक्स.		16:55	16:57	20.07.2026
15076 टनकपुर-शक्तिनगर एक्स.	माण्डा रोड	23:38	23:40	21.07.2026
15075 शक्तिनगर-टनकपुर एक्स.		23:13	23:15	20.07.2026
15074 टनकपुर-सिंगरौली एक्स.		23:38	23:40	20.07.2026
15073 सिंगरौली-टनकपुर एक्स.		23:13	23:15	21.07.2026

नोट: ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाईन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR 1652/26(AS)

कानपुर सेंट्रल-कोलकाता विशेष रेलगाड़ी का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित साप्ताहिक विशेष रेलगाड़ी के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी संख्या 04157/04158 कानपुर सेंट्रल-कोलकाता-कानपुर सेंट्रल (साप्ताहिक) विशेष रेलगाड़ी

04157 कानपुर सेंट्रल-कोलकाता			04158 कोलकाता-कानपुर सेंट्रल	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
(मंगलवार)	08:00	कानपुर सेंट्रल	01:25	(गुरुवार)
08:58	09:00	फतेहपुर	23:00	23:02
10:45	10:50	सूबेदारगंज	21:35	21:40
12:30	12:32	मिर्जापुर	20:00	20:02
04:05	(बुधवार)	कोलकाता	(बुधवार)	07:25

अन्य ठहराव: पं. दीन दयाल उपाध्याय, सासाराम, गया, कोडरमा, पारसनाथ, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जं. गोमो, धनबाद, आसनसोल, दुर्गापुर, बर्द्धमान, बैण्डेल एवं नैहाटी।

• कानपुर सेन्ट्रल से गाड़ी संख्या 04157 प्रत्येक मंगलवार, दिनांक 21.07.2026 से 29.09.2026 • कोलकाता से गाड़ी संख्या 04158 प्रत्येक बुधवार, दिनांक 22.07.2026 से 30.09.2026

गाड़ी संरचना: सामान्य श्रेणी-08, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-04, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी-01, स्लीपर श्रेणी-09

नोट: ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR 1650/26(MG)

आगरा छावनी - कोलकाता विशेष रेलगाड़ी का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए गाड़ी संख्या 01911/01912 आगरा छावनी - कोलकाता साप्ताहिक विशेष रेलगाड़ी के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं. 01911/01912 आगरा छावनी- कोलकाता (साप्ताहिक) विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी सं. 01911 आगरा छावनी-कोलकाता		स्टेशन	गाड़ी सं. 01912 कोलकाता-आगरा छावनी	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
-------	03:40	आगरा छावनी	08:00	-------
04:50	04:55	टूण्डला	05:05	05:10
06:00	06:02	इटावा	03:25	03:27
08:20	08:30	कानपुर सेंट्रल	01:25	01:30
09:30	09:32	फतेहपुर	23:00	23:02
11:10	11:15	सूबेदारगंज	21:35	21:40
12:30	12:32	मिर्जापुर	20:00	20:02
04:05	-------	कोलकाता	-------	07:25

अन्य ठहराव: पं. दीन दयाल उपाध्याय, सासाराम, गया, कोडरमा, पारसनाथ, गोमोह, धनबाद, प्रधान खाटा, आसनसोल, दुर्गापुर, बर्द्धमान, बैण्डेल एवं नैहाटी स्टेशनों पर भी रुकेगी।

आगरा छावनी से: गाड़ी संख्या 01911, प्रत्येक गुरुवार, दिनांक 23.07.2026 से 24.09.2026 तक, कोलकाता से: गाड़ी संख्या 01912, प्रत्येक शुक्रवार, दिनांक 24.07.2026 से 25.09.2026 तक

गाड़ी संरचना: सामान्य श्रेणी: 04, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी: 02, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी: 01, स्लीपर श्रेणी: 10

नोट:- ट्रेन से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन नं0 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1651/26(AK)

प्रयागराज-यशवंतपुर विशेष रेलगाड़ी का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा का ध्यान रखते हुए गाड़ी संख्या 04149/04150 प्रयागराज-यशवंतपुर साप्ताहिक विशेष रेलगाड़ी के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं. 04149/04150 प्रयागराज-यशवंतपुर विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक)

गाड़ी सं.- 04149 प्रयागराज-यशवंतपुर		स्टेशन	गाड़ी सं- 04150 यशवंतपुर-प्रयागराज	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
बुधवार	18:00	प्रयागराज	06:30	सोमवार
19:28	19:30	शंकरगढ़	04:13	04:15
20:10	20:12	हमीरा	03:33	03:35
20:55	21:00	मानिकपुर	03:10	03:15
21:30	21:32	चित्रकूटधाम	01:55	01:57
23:10	23:15	बाँदा	00:35 (सोम)	00:40
00:20 (गुरु)	00:25	महोबा	23:18	23:20
01:40	02:10	खजुराहो	21:20	21:50
02:28	02:30	बरियारगंज	20:50	20:52
03:08	03:10	महाराजा छत्रसाल स्टेशन छतरपुर	20:30	20:32
04:20	04:22	टीकमगढ़	19:10	19:12
05:28	05:30	ललितपुर	18:18	18:20
21:00	शुक्रवार	यशवंतपुर	शनिवार	07:00

अन्य ठहराव: उपरोक्त के अतिरिक्त इस गाड़ी का बीना, रानी कमलापति, इटारसी, नागपुर, बल्हारशाह, सिरपुर कागजनगर, बेल्लमपल्ली, मंचिर्याल काजीपेट, सिकंदराबाद, लिंगमपल्ली, विकाराबाद, तांडूर, यादगिर, कृष्णा, रायचूर, गुंतकल, अनंतपुर, धर्मवरम, हिंदुपुर एवं यलहंका स्टेशनों पर भी ठहराव प्रदान किया गया है।

प्रयागराज से:- गाड़ी संख्या 04149, प्रत्येक बुधवार, दिनांक 05.08.2026 से 23.09.2026 तक। यशवंतपुर से:- गाड़ी संख्या 04150, प्रत्येक शनिवार, दिनांक 08.08.2026 से 26.09.2026 तक।

गाड़ी संरचना:- सामान्य श्रेणी- 07, स्लीपर- 11, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी- 02 एवं वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी- 01

नोट:- ट्रेनों से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1649/26(A)

भयहरणनाथ धाम में 19वां सामाजिक सत्याग्रह आज

बकुलाही के मुहाने पर होगा सामूहिक श्रमदान

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन प्राचीन पौराणिक व पर्यटक स्थल भयहरण नाथ धाम सामाजिक सत्याग्रह धाम, पूरे आयोजित किया जाएगा। सत्याग्रह के साथ ही बकुलाही

की प्राचीन व वर्तमान सार्वजनिक भू–सम्पत्तियों को कब्जा मुक्त कराने तथा जनोपयोगी विकास हेतु चल रहे आंदोलन के क्रम में 19 जुलाई को 19वां सामूहिक नदी की प्राचीन पुनरोद्धारित धारा के मुहाने की सफाई हेतु श्रद्धालुओं एवं क्षेत्रीय समाज के सहयोग से सामूहिक श्रमदान भी किया जाएगा। उद्देश्य है कि बरसात में लाखों लोगों व जीव–जंतुओं को पर्याप्त जल उपलब्ध हो सके और नदी को सदानीरा बनाया जा सके।

यह जानकारी भयहरणनाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के महासचिव एवं बकुलाही पुनरोद्धार अभियान के संयोजक समाज शेखर दी। उन्होंने बताया कि 15 मार्च 2026 से प्रत्येक रविवार को निरंतर सत्याग्रह किया जा रहा है। भूमाफिया व भ्रष्ट राजस्व कर्मियों की लापरवाही के कारण पुनरोद्धार कठिन है, फिर भी प्रशासन के सहयोग से भूमि की यथास्थिति की पैमाइश पूर्ण हो चुकी है।

नायब तहसीलदार द्वारा शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया गया है। सत्याग्रह के साथ बकुलाही नदी की प्राचीन धारा के 50 गांवों के श्रद्धालु, युवा एवं समाजसेवी भाग लेकर श्रम दान से मुहाने पर सफाई कर धारा को प्रवाहित करेंगे।

इस कार्य में धाम के अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल, कार्यवाहक अध्यक्ष लाल जी सिंह, बकुलाही पुनरोद्धार अभियान के उप संयोजक मोती लाल चौधरी, भारतीय किसान युनियन अम्बवता के प्रदेश प्रवक्ता भानु सिंह, जिला प्रभारी जल्लालुद्दीन, महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष नीतू जी व कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र सहित सभी पदाधिकारी व्यवस्था में जिम्मेदारी लिए है।

शहरी कहते गाँव है

(छप्पय)

छोड़ गाँव की प्रीति, शहर को जब मैं आया।
चहल–पहल के बीच,अकेलेपन को पाया।
छोटे–बड़े मकान,गाड़ियाँ लम्बी–लम्बी।
सुख–सुविधा से युक्त,सजावट हर कमरों की।
गमलों में पौधे लगा,देते सबको ज्ञान है।
पेड़ लगाना ही सदा, सबसे अच्छा दान है।।

रही न उसकी याद, शहर आया हूँ जब से।
कैसे पूछूँ आज, ठिकाना उसका सबसे।
मिली जहाँ पर छाँव, गर्मियों के मौसम में।
शामिल होते लोग, सदा दूजों के ग़म में।
ऐसी प्यारी भूमि को, शहरी कहते गाँव है।
हरियाली बस मौन हो, कहती मेरा ठाँव है।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

कानपुर इकाई की काव्य गोष्ठी संपन्न

कानपुर । शहर समता महिला काव्यगोष्ठी कानपुर इकाई की काव्यगोष्ठी 'श्रद्धा श्रीवास्तव' की अध्यक्षता में दिनाँक 16 जुलाई 2026 को सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। मुख्य अतिथि रेखा

श्रीवास्तव और विशिष्ट अतिथि अनीता गुप्ता रहीं। इस आयोजन का संयोजन श्रद्धा श्रीवास्तव एवं संचालन पुष्पा सिंह ने किया। इस काव्य गोष्ठी में शिप्रा ज्ञानेंद्र सिंह, पूनम पांडे, सुषमा सिंह उर्मि, रेखा श्रीवास्तव, डॉ सुषमा त्रिपाठी, सुनीता गुप्ता, हेमा पांडे, सुषमा सिंह सेंगर, अनीता गुप्ता, पुष्पा सिंह एवम् श्रद्धा श्रीवास्तव ने अपनी रचनाओं की सुंदर प्रस्तुति दी।

आगरा में आरपीएफ कर्मियों द्वारा किए गए अमानवीय व्यवहार को लेकर रेलवे कर्मचारी संघ जंक्शन शाखा प्रयागराज का जोरदार विरोध प्रदर्शन

प्रयागराज। आज उत्तर मध्य रेलवे कर्मचारी संघ जंक्शन शाखा प्रयागराज द्वारा प्लेटफार्म नंबर एक स्थित डिप्टी एस एस कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन के कार्यक्रम में नुक्कड़ सभा की कार्यक्रम के शुरुआत में वंदे मातरम भारत माता की जय उद्घोष से प्रारंभ किया, आगरा केंट स्टेशन पर डिप्टी एसएस के साथ मारपीट आरपीएफ कांस्टेबल व यस आई द्वारा जघन्य अपराधिक घटना किए जाने के विरोध में उत्तर मध्य रेलवे कर्मचारी संघ ने विरोध प्रदर्शन किया व नुक्कड़ सभा की जिसमें सभी श्रमिकों के द्वारा दोषियों के खिलाफ दंडनात्मक करवाई में हो रही देरी पर रोश जाते हुए मांग की गई की आगरा कैंट की घटना पर स्थानीय जांच समिति द्वारा जांच ना करा कर महाप्रबंधक कार्यालय से (जे) रैंक ऑफिसर से जांच कराई जाए ट्रेन मैनेजर लोको

पायलट व वाणिज्य विभाग के कर्मचारी तथा स्टेशन के ऑपरेटिंग विभाग के कर्मचारी सभी कार्यक्रम में सम्मिलित होकर विरोध प्रदर्शन, का कार्यक्रम सफल बनाए तथा कार्यक्रम के उपरांत शाखा की ओर से उत्तर मध्य रेलवे कर्मचारी संघ प्रयागराज मंडल मंत्री संतोष कुमार शर्मा के साथ यूनियन के प्रतिनिधिमंडल ने स्टेशन डायरेक्टर (राजपत्रित अधिकारी) को प्रशासन तक श्रम संगठन की बात को पहुंचाने के लिए ज्ञापन सौंपा, कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सनत तिवारी शाखा सचिव मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय,अजय मिश्रा शाखा सचिव लोको शाखा,ज्ञानेंद्र यादव, उमेश पांडे, राजेश कुमार, रणधीर कुमार, पंचम लाल मौर्य, शिव मूर्ति, एम पी मॉडल, ई ए अंसारी, तथा ट्रेनस क्लर्क, प्वाइंट्स मैन के साथ अच्छी संख्या में स्टेशन स्टाफ ने सहभागिता की।

वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच की संपन्न हुई काव्य गोष्ठी, कविताओं की बही पीयूष धारा

प्रयागराज। वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच पूर्वी उत्तर प्रदेश इकाई की एक काव्य गोष्ठी आज शनिवार की शाम वनाकामं के संरक्षक संजय सक्सेना, कवयित्री रचना सक्सेना के आवास पर हुई।

कार्यक्रम की शुरुआत में अतिथियों ने माँ सरस्वती को दीप प्रज्ज्वलित और पुष्प अर्पित करके किया। इसके बाद रचना

सक्सेना ने सरस्वती वंदना करके कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता अंतर्राष्ट्रीय शायरा प्रीता वाजपेयी, मुख्य अतिथि डाक्टर वीरेंद्र कुमार तिवारी, विशिष्ट अतिथि गिरीश श्रीवास्तव गिरीश रहे।

इस काव्य गोष्ठी में प्रतिभाग करने वाले कवियों में सर्वश्री उमेश श्रीवास्तव, पंडित राकेश मालवीय मुस्कान, रचना सक्सेना, संजय सक्सेना, शरत चंद्र श्रीवास्तव सरल, सीपी श्रीवास्तव, वीरेंद्र कुमार तिवारी, प्रीता वाजपेई और इंदु जमदग्निपुरी ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का संचालन सप्रसंग व तमाम उक्तियों से भरे संवादों से शहर समता के संपादक उमेश श्रीवास्तव ने किया। धन्यवाद ज्ञापन पंडित राकेश मालवीय मुस्कान ने किया।

फुटपाथ पर रहने वाले निराश्रितों के लिए मदद फाउंडेशन ने आयोजित किया निशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं दवा वितरण शिविर

प्रयागराज। जरूरतमंद एवं निराश्रित लोगों की सेवा के लिए निरंतर कार्यरत मदद फाउंडेशन द्वारा शुक्रवार को फुटपाथ पर रहकर अपना जीवन–यापन करने वाले निराश्रितों के लिए निशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं दवा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिविर में चिकित्सक डॉ. आदर्श पाठक ने मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यक परामर्श दिया तथा निशुल्क दवाएं उपलब्ध कराईं।

मदद फाउंडेशन पिछले कई वर्षों से शहर के फुटपाथों पर रहने वाले असहाय एवं निराश्रित लोगों तक निशुल्क भोजन, स्वच्छ पेयजल, दवाइयां, जूते–चप्पल तथा अन्य आवश्यक सामग्री पहुंचाने का कार्य कर रहा है। संस्था की टीम भोजन वितरण के दौरान ऐसे लोगों की पहचान करती है, जो किसी बीमारी या स्वास्थ्य संबंधी समस्या से जूझ रहे होते हैं। इसके बाद प्रत्येक माह दो बार चिकित्सकों की टीम द्वारा उनका स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाता है तथा आवश्यक उपचार एवं दवाएं निशुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं।

इस अवसर पर मदद फाउंडेशन के संस्थापक मंगला प्रसाद तिवारी ने कहा कि संस्था का उद्देश्य समाज के सबसे वंचित और असहाय लोगों तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि फाउंडेशन को किसी प्रकार का सरकारी अनुदान प्राप्त नहीं होता। संस्था समाज के सहयोग, क्राउड फंडिंग तथा संस्थापक एवं सहयोगियों द्वारा अपनी आय का 10 प्रतिशत सेवा कार्यों में समर्पित कर इन अभियानों का संचालन करती है।

उन्होंने बताया कि मदद फाउंडेशन का प्रमुख अभियान 'रविवार की रसोई' लगातार जारी है, जिसके माध्यम से प्रत्येक रविवार निराश्रितों तक निशुल्क भोजन एवं पेयजल पहुंचाया जाता है। यह सेवा अभियान अब 205 सप्ताह सफलतापूर्वक पूर्ण कर चुका है और इसके माध्यम से अब तक 30,000 से अधिक भोजन (मील) जरूरतमंदों तक पहुंचाए जा चुके हैं।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

प्रयागराज। बी.ए. एल.एल.बी. (ऑनर्स), सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज, प्रयागराज द्वारा दिनांक 17 जुलाई 2026 को 73वें एवं 74वें संविधान संशोधन अधिनियमों के विशेष संदर्भ में एक प्रश्नोत्तरी (क्विज़) प्रतियोगित का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में बी. ए. एल.एल.बी. (ऑनर्स) के सभी सेमेस्टरों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतियोगिता में कुल 20 बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे गए, जिनका उद्देश्य विद्यार्थियों के भारतीय संविधान के प्रावधानों, पंचायती राज एवं नगरीय स्थानीय स्वशासन संस्थाओं से संबंधित संवैधानिक व्यवस्था तथा लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण के महत्व के प्रति उनके ज्ञान का मूल्यांकन करना था। प्रश्नों का केंद्रबिंदु पंचायती राज संस्थाओं एवं शहरी स्थानीय निकायों से संबंधित संवैधानिक प्रावधानों के साथ–साथ सहभागी शासन एवं स्थानीय स्वशासन को सुदृढ़ बनाने में जमीनी लोकतंत्र की भूमिका रहा। यह प्रतियोगिता प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे के मार्गदर्शन में आयोजित की गई। वे सदैव विद्यार्थियों में संवैधानिक जागरूकता विकसित करने तथा भारतीय संविधान में निहित लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण के सिद्धांतों के प्रति उनकी समझ को सुदृढ़ करने पर बल देते रहे हैं। प्रतियोगिता के परिणाम ''सोमवार'' को ''समन्वयक डॉ. रेनू सिंह'' द्वारा बी.ए. एल.एल.बी. (ऑनर्स) के आधिकारिक व्हाट्सएप समूह के माध्यम से घोषित किए जाएंगे। विभाग सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता की सराहना करता है तथा भविष्य में भी इसी प्रकार की शैक्षणिक एवं ज्ञानवर्धक गतिविधियों के आयोजन के लिए प्रतिबद्ध है।

सावन मेला के मद्देनजर सीओ सदर ने भयहरण नाथ धाम का किया निरीक्षण

सुरक्षा, बैरिकेडिंग और पार्किंग व्यवस्था पर दिया जोर

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडवकालीन भयहरण नाथ धाम में 30 जुलाई से 28 अगस्त 2026 तक आयोजित होने वाले सावन मेले की तैयारियों के दृष्टिगत क्षेत्राधिकारी सदर मनोज रघुवंशी ने

शनिवार को धाम परिसर का व्यापक भ्रमण एवं निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ 'थानाध्यक्ष जेठवारा नरेंद्र सिंह,चौकी प्रभारी कटरा गुलाब सिंह श राजीव वर्माउपस्थित रहे। निरीक्षण में प्रबंध समिति के कार्यालय प्रभारी श्री नीरज मिश्र ने सहयोग किया। भयहरण नाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के महासचिव समाज शेखर ने बताया कि ब्द साहब ने भ्रमण के दौरान कंट्रोल रूम, बैरिकेडिंग, बैरियर एवं पार्किंग' व्यवस्थाओं का जायजा लिया। CO सदर मनोज जी ने निर्देश दिए कि षपिछले वर्षों की भांति इस बार भी सुव्यवस्था एवं चाक–चौबंद सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। सुरक्षा एवं शांति पुलिस की प्राथमिकता होगी। मेले में किसी भी प्रकार के अवैध कार्य को कदापि बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भीड़–भाड़ वाले क्षेत्र में सभी कार्मिक संवेदनशीलता एवं नियमों के अनुसार अपनी ड्यूटी का निर्वहन करें।

सम्पादकीय.....

जन्मदर में गिरावट

हाल के वर्षों में भारत की आबादी से जुड़े ट्रेंड में बदलाव देखने को मिला है। दूसरे शब्दों में कहें तो भारत की आबादी से जुड़ा परिदृश्य एक नये दौर में पहुंच रहा है। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट को यह सवाल उठाना पड़ा कि क्या आज भी उन कानूनों की प्रासंगिकता बनी हुई है, जिसके अंतर्गत दो से ज्यादा बच्चे होने पर लोगों को स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने के अयोग्य ठहराया जाता रहा है। निश्चित रूप से 'दो बच्चों' से जुड़ा यह नियम उस समय बनाया गया था जब देश में तेजी से बढ़ती आबादी चिंता का सबब बनी हुई थी। लेकिन आज जनसंख्या का परिदृश्य तेजी से बदल गया है। दूसरे शब्दों में कहें तो निकाय चुनावों से जुड़ा अधिक बच्चों वाला नियम अब आबादी के बदलते ट्रेंड से मेल नहीं खाता। सही मायने में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी ने जिन सवालों को जन्म दिया है, उसकी पुष्टि सरकार की ओर से जारी जनसंख्या संबंधी आंकड़ों से होती है। भारत के रजिस्ट्रार जनरल द्वारा जारी दृ'सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम स्टैटिस्टिकल रिपोर्ट–2024' शीर्ष अदालत के नजरिये की पुष्टि करती है। रिपोर्ट बताती है कि देश की कुल प्रजनन दर यानी टीएफआर घटकर 1. 9 हो गई है, जो कि 2.1 के 'रिप्लेसमेंट लेवल' से कम है। देश में उत्तर भारत के छह राज्य– उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और झारखंड ही रिप्लेसमेंट लेवल से ऊपर हैं। जबकि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली– 1.2, केरल,तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल (तीनों में 1.3) में प्रजनन दर देश में सबसे कम है। यह तथ्य उल्लेखनीय है कि शहरी इलाकों के मुकाबले ग्रामीण इलाकों में प्रजनन दर अब भी अधिक है। जो आबादी की दर में बदलाव की असमान गति को ही दर्शाता है। इस तरह से जनसंख्या वृद्धि की ये असमानताएं– 'सबके लिए एक ही जनसंख्या नीति' की खामियों को ही उजागर करती हैं। इस नीति की प्रासंगिकता व इस दिशा में बदलाव की जरूरत सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी का सार भी है। ऐसे में जब भारत का एक बड़ा हिस्सा बेतहाशा जनसंख्या वृद्धि के बजाय जन्म दर में गिरावट से जूझ रहा है तो परिवार के आकार के आधार पर नागरिकों को चुनाव लड़ने से अयोग्य ठहराकर दंडित करना तर्कसंगत नहीं लगता। निर्विवाद रूप से समय के साथ अप्रासंगिक हो चले ऐसे कानून गरीब और ग्रामीण परिवारों, विशेष रूप से महिलाओं को बुरी तरह से प्रभावित करते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो उनकी लोकतांत्रिक व्यवस्था में भागीदारी को सीमित करते हैं। नीति नियंताओं को गंभीरता से मंथन करना चाहिए कि मौजूदा जनसांख्यिकीय लाभांश–यानी आर्थिक विकास को गति देने वाली बड़ी कामकाजी आबादी हमेशा हमारी उपलब्धि नहीं बनी रहेगी। जनसंख्या की दर में मौजूदा गिरावट के चलते आने वाले दशकों में बुजुर्गों की आबादी का हिस्सा बढ़ता जाएगा। ऐसे में कम प्रजनन दर वाले राज्यों को बढ़ती उम्र वाली आबादी के आधिक्य के चलते श्रमशील आबादी की कमी और बढ़ते सामाजिक सुरक्षा बोझ के लिये तैयार रहना होगा। वहीं दूसरी ओर उच्च प्रजनन दर वाले राज्यों को युवा आबादी को उत्पादक मानव पूंजी में बदलने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, पोषण और रोजगार सृजन में निरंतर निवेश करने की जरूरत है। निस्संदेह, अब वक्त आ गया है कि जनसंख्या नियंत्रण के पुराने उपायों को साक्ष्य आधारित, क्षेत्र–विशिष्ट जनसांख्यिकीय नीतियों से प्रतिस्थापित किया जाए। सही मायने में जनसंख्या पर विमर्श को अब केवल संख्या नियंत्रण तक सीमित न रखकर, हमें निष्पक्षता और दूरदर्शिता के साथ जनसांख्यिकीय परिवर्तन के प्रबंधन की ओर ले जाना होगा। अकसर दक्षिण भारत के राज्य आरोप लगाते रहे हैं कि उन्होंने राष्ट्रीय सरोकारों के लिये ईमानदारी से जनसंख्या नियंत्रण का कार्य संपन्न किया है। लेकिन उन्हें आज इसकी कीमत घटी दर पर मिलने वाले वित्तीय संसाधनों के रूप में चुकानी पड़ रही है। उनका आरोप रहता है कि जनसंख्या नियंत्रण की अनदेखी करने वाले उत्तरी राज्यों को केंद्र से अधिक वित्तीय संसाधनों का आवंटन किया जाता है। हाल ही में महिला आरक्षण लागू करने में परिसीमन के मुद्दे पर दक्षिण भारतीय राज्यों के मुखर विरोध को इसी आलोक में देखा जाना चाहिए।

मात्र महिला और मात्र पुरुष?

समस्त प्राणियों में नर और मादा प्रजातियाँ होती हैं और मानव जाति भी इस संदर्भ में प्रजाति के विषेश भेद अन्तर से मुक्त नहीं है। मानव में महिला और पुरुष का जो अंतर है, वह प्राकृतिक है। उनमें प्राकृतिक सौन्दर्य भी है,आकर्षण भी है, दोनों एक दूसरे के सहयोगी भी हैं और पूरक भी । बहुत से विद्वानों के मतानुसार आरंभ में मानव परिवार मातृक था। मुझे इस मत पर कोई आपत्ति नहीं है और मैं इसका खण्डन भी नहीं करना चाहूँगा, परन्तु ऐसे में एक प्रश्न यह है कि मानव परिवार मातृक से फिर पैतृक कैसे हो गया?

इस संदर्भ में मेरा मानना है कि समय के साथ पुरुष ने अपनी शक्ति का आभास करते ही मातृक व्यवस्था को पैतृक व्यवस्था में परिवर्तित कर दिया होगा। शक्ति बल पर व्यवस्था बदलने के बाद भी वह रुका नहीं होगा। उसने आवश्यकता, आकर्षण और विलासता आदि के आधार दूसरे परिवार और समूह की महिलाओं को बल पूर्वक छीना होगा। उन्हें अपने अधीन भी किया होगा। बहुत समय तक ऐसा होते रहने के कारण धीरे–धीरे धीरे महिला का मनोबल टूटा होगा और ऐसी स्थिति में उसने स्वयं को अबला मान कर पुरुष के संरक्षण और स्वामित्व को स्वीकार कर लिया होगा।

गुज़रती शताब्दियाँ के साथ मानव जागरुक,सभ्य और शिक्षित हुआ, मगर आज इतनी जागरुकता,शिक्षा और सभ्यता के उपरांत भी पुरुष प्रधान समाज में महिला को लेकर जो विचार और दृष्टि कोण है उस में कोई विशेष या क्रांतिकारी परिवर्तन देखने को नहीं मिलता यह आश्चर्य की बात है। इस से भी अधिक आश्चर्यजनक, दुखद और कष्टदायक बात यह है पुरुष प्रधान समाज में महिला से बरताव और व्यवहार की सभ्यता में जो न के बराबर परिवर्तन आया वह भी विस्तृत न हो कर संकुचित ही रहा।

आज भी समाज में जो पुरुष है वह पुरुष मात्र है और जो महिला है वह महिला मात्र है। लिंग भेद से पूर्णतः ऊपर उठ कर अन्य संदर्भों में यह एक दूसरे के सहयोगी, सहकर्मी, सहपाठी और सहयात्री आदि क्यों नहीं हो रहे हैं या क्यों नहीं हो पा रहे हैं, यह एक जटिल प्रश्न है। अभी तक यह अंतर क्यों बना है या अभी तक कौन इस अंतर को बनाये हुए है, हमें इस विषय में सोचना, समझना होगा और सोच समझ कर ऐसा परिवर्तन लाना होगा जिस से समाज में महिला सहज और सुरक्षित हो सके।

महिला अबला है, वो स्वयं को अबला मान बैठी है,अबला बना दी गयी है, अथवा महिला चतुर है, घातक है, षडयंत्र कारी है, यह दो मानसिकता और दो भिन्न परिस्थितियां, अलग–अलग अनुभव या अनुमान हैं। यह अनुभव और अनुमान प्रत्येक महिला की वास्तविकता नहीं हो सकते। यह सत्य किसी से छुपा नहीं है कि महिला बहुत समय से पुरुष के लोभ, अत्याचार, हिंसा और विलासता की सताई हुई है। यहाँ मैं जिस सताई हुई महिला की बात कर रहा हूँ , वह किसी एक विचार,आस्था या क्षेत्र वाले मानवों के बीच की महिला नहीं, मैं समस्त महिला प्रजाति की बात कर रहा हूँ। कहीं भी महिला पर दया नहीं की गयी। महिला तो तब से निरीह चली आ रही है जब वह प्रायः चतुर, घातक और षड्यंत्र कारी नहीं थी, जब उसे बताया गया था कि वह अबला है और जब वह मानती थी कि वह अबला ही है।

विश्व में साम्राज्य काल के इतिहास को देखा जाय तो उस युग में एक दूसरे का राज्य हड़पने, सम्पदा लूटने हेतु राजाओं के बीच निरंतर युद्ध होते रहते थे,संघर्ष चलते रहते थे और पुरुषों के इन युद्धों संघर्षों में सब से अधिक महिला ही प्रभावित होती थी। उसके पिता, पति, पुत्र मारे जाते थे और वह यदि बंदी बनने से बच भी जाती थी तो उसका जीवन अति दयनीय एवं नरकीय हो जाता था। साम्राज्य काल से निकल कर अब कि जब संसार के अधिकांश देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था हो चुकी है और अधिकांश महिलाएं शिक्षित भी हो चुकी हैं परन्तु उनके शोषण का युग, उन पर अति और हिंसा के काल का अंत नहीं हुआ, उनकी सामाजिक स्थिति में कोई अनुपाधारित संतोषजनक परिवर्तन नहीं आया। पुरुष प्रधानता की यह स्थिति है कि महिला समाज में आज भी महिला मात्र ही है। जब– तब उसका अपमान होता रहता है। आज भी जब कहीं दो पुरुष लड़ते हैं तो पुरुषों की लड़ाई में दोनों ओर से महिला को ही गाली दी जाती है। इससे महिला के प्रति पुरुष की मानसिकता को समझा जा सकता है।

आज जब महिला को उसकी शक्ति का आभास कराया जा रहा है और वह थोड़ा बहुत मानने भी लगी है कि वह अबला नहीं है तब भी उस पर विभिन्न प्रकार से अति किये जाने के जो समाचार लगातार आते रहते हैं वह बहुत हृदय विदारक और भयावह हैं। बहुत लोगों का यह मानना हो सकता है कि आज जन संख्या बढ़ गयी है ,अतः उसी अनुपात से महिला अति/अपराध में भी वृद्धि हुई है। इंटरनेट सुविधा के कारण अब सूचनाएं तुरंत हर व्यक्ति के मोबाइल तक पहुँच रही हैं , जिससे ऐसा आभास होने लगता है कि महिला शोषण और महिला से संबंधित अपराध बहुत बढ़ गये है। महिला से संबंधित अपराधों की रिपोर्ट पहले पूर्ण रूप से लिखाई लिखी नहीं जाती थी मगर अब लिखी जाती है, इसलिए लोगों को महिला से संबंधित अपराध बढ़े हुए प्रतीत होते है, मगर इन सभी तर्कों के बाद भी क्या महिला अपराध के होने को नकारा जा सकता है? क्या सभी अपराधों के रिपोर्ट होने की बात सिद्ध की जा सकती है? क्या समस्त लिखी गयी रिपोर्ट्स और विवेचना को सत्य पर आधारित माना जा सकता है? क्या इस बात की पुष्टि की जा सकती है कि सभी अपराधी दंडित किये जा रहे हैं? क्या इसका सत्यापन किया जा सकता है कि सभी महिलाओं को न्याय मिलता है?

आज के समाज की स्थिति यह है कि समाज में महिलाओं से सुहानुभूति अलग–अलग खण्डों में बँटी हुई है और हर खण्ड के ठेकेदार केवल अपने खण्ड की ही पीड़ित महिला के लिए सुहानुभूति रखते हैं और उन्हीं के हित में सक्रिय रहते है। यह महिला से कैसी खण्डित सुहानुभूति है और यह महिला सुरक्षा की कैसी खण्डित लड़ाई है? ऐसे क्या महिला सुरक्षित हो सकती है? कदापि नहीं। ऐसे तो महिला को विषय मान कर उन पर केवल राजनीति हो सकती है। ऐसे तो विलासी और बलात्कारी दानवों को यह संदेश जा सकता है कि अपना खण्ड छोड़ कर अन्य खण्डों की महिलाओं का शिकार करो, लेकिन दानव तो हर खण्ड में होते हैं। इस दशा में क्या किसी खण्ड की महिला सुरक्षित रह जायेगी।

वैसे प्रवृति की बात की जाये तो दानवों की दृष्टि में प्रत्येक महिला केवल महिला होती है। वह तो महिला में आयु का भी अंतर नहीं करते। एक दो वर्ष या इससे भी अल्प से ले कर किसी भी आयु की महिला, कुछ भी पहनने वाली महिला , किसी भी खण्ड की महिला उनके लिए केवल महिला होती है। यह दानव तो इतने निर्लज्ज होते हैं कि जब इन पर हवस सवार होती है तो इन्हें खून के नाते और खून के नाते से जुड़े रिश्ते भी नहीं दिखाई देते । महिला तो फिर भी महिला है इनसे तो बालक, किन्नर, भैंस, गाय, बकरी, कुतिया आदि भी सुरक्षित नहीं।

यह झूठ नहीं है कि महिला का जीवन शोषण, अत्याचार, हिंसा और निरीहता से भरा है। ऐसे में अगर कोई महिला या पुरुष समाज में महिलाओं के सुरक्षित होने का दावा करे तो उसे स्वयं से पूछना चाहिए कि जब उसकी बेटी, बहन, पत्नी या बहू घर से बाहर पढ़ने, काम करने या घूमने –फिरने जाती है और किसी कारणवश समय पर घर नहीं लौटती । उसका मोबाइल नहीं उठता या नम्बर नहीं लगता, उसके साथ पढ़ने, काम करने, उसके साथ आने– जाने वाले उसके बारे में सूचना नहीं दे पाते तो समाज में महिला के सुरक्षित होने का दावा करने वालों के मन और ध्यान में क्या आता है? वह विचलित होते हैं या आन लाइन खाना मंगा खा कर आनन्द से सो रहते हैं?

बचपन में हम लोग चिकोटी– चिकोटी खेलते थे, इस खेल में एक दूसरे को मोटी चिकोटी काटी जाती थी। जो पीड़ा सहन न कर पाने के कारण चीख़ उठता वह हार जाता था। सच तो यही होता था कि चिकोटी काटे जाने पर बहुत पीड़ा होती थी मगर हम लोग हार के डर से पीड़ा सहन किये रहते थे और कहते रहते थे कि हमें तो कोई दर्द नहीं हो रहा है। हमें तनिक भी पीड़ा नहीं हो रही है,मगर इस घोषणा के साथ वास्तव में भीतर की दशा बहुत बुरी होती थी। मैं देख रहा हूं कि जब जीवन में स्थिति चिकोटी चिकोटी के खेल जैसी हो गई है तो लोग कह कुछ और रहे हैं और उनकी दशा कुछ और है।

वास्तविकता प्रकट करने वाले समझदार जानते हैं कि बहुत सारे प्रबंध अपनी जगह, मगर आज महिला की दशा बहुत बुरी है।पड़ोस, रिश्तेदारी, ससुराल, विवाह,आयोजन, पार्टी, स्कूल, कोचिंग, पार्क, सड़क, हाट, बाज़ार,मेला, खेत, खलिहान, आफ़िस, दुकान, हास्पिटल, ट्रेन, बस, आटो कहीं भी किसी भी आयु की महिला को यह निर्लज्ज, संवेदनहीन और निर्मम दानव निर्भया बना देते हैं। घटना के बाद खण्ड के आधार पर आंदोलन, नारे बाज़ी, मीडिया डिबेट, सोशल मीडिया पर हुड़दंग के साथ आप्रेशन लंगड़ा, बुल्डोज़र एक्शन, गिरफ़्तारी, चालान की मांग चालू हो जाती है। भड़काऊ वक्तव्य वाले वीडियो वायरल होते हैं,राजनीतिक भाषण की रेल दौड़ पड़ती है और इसी बीच कहीं नया काण्ड हो जाता है। फिर वही ए बी सी डी,क ख ख घ! ऐसे तो महिला की स्थिति बदलने वाली नहीं, महिलाओं की स्थिति में बदलाव लाने और उसे सुरक्षित करने के लिए हमें पहले महिलाओं के प्रति अपनी खण्डित सोच बदलनी होगी। एक महिला तब सुरक्षित होगी जब महिला को सुरक्षित करने के लिए हर खण्ड के पुरुष महिला समाज में महिला की सुरक्षा और सम्मान के लिए एक जुट होंगे।

बाहर तो बाहर मगर घर में भी महिलाओं की समस्याये कम नहीं। महिला घर वालों की इच्छा से विवाह करे तो कहीं तलाक़ , कहीं दहेज के लिए मार पीट ,घर निकाला, छुट्टम छुट्टा,अन्यथा आत्म हत्या रूपी हत्या। वह भी अपने खण्ड वालों द्वारा। अगर अपनी इच्छा और रुचि वाले के साथ भागे तो अपने खण्ड वालों और घर वालों द्वारा स्वाभिमान बचाने के लिए हत्या का भय। खण्ड से बाहर निकल विवाह करें तो हरे लव जिहाद, भगवा लव ट्रैप का हंगामा, बेच दिए जाने, मार दिये जाने, टुकड़े कर दिए जाने की आशंका। लिविंग में जाये तो ब्लैक मेलिंग, सामूहिक बलात्कार और हत्या की संभावना। अर्थात आज महिला तो किसी भी खण्ड में,किसी भी खण्ड से, कहीं भी सुरक्षित नहीं है! ऐसी दशा में पिसते पिसते अब महिला भी दहेज में फंसाने, बलात्कार में फंसाने, ब्लैक मेल करने पर उतर आई हैघ और साथ में नीला ड्रम काण्ड भी करने लगी है तो कहा जा रहा है कि लड़के विवाह करने से डर रहे हैं। पहले जब महिला डरती थी, उसका शोषण होता था, उसके साथ अनर्थ होता था,उसके साथ हिंसा होती थी, उसकी हत्या कर दी जाती थी तो पुरुष क्या पुरुष के विरोध और महिला के समर्थन में एक जुट होता था? उसे महिला पर दया आती थी? अब चुटकी भर महिलायें बदला लेने के लिए, लालच में या चाल चलन में आये बिगाड़ के कारण,चतुर, षड्यंत्रकारी, विश्वासघाती और हत्यारिन हो गयीं हैं तो पुरुषों में भय है! पुरुष के साथ क्या वही नहीं हो रहा है जो महिला के साथ पुरुष करता रहा है?अब भी तो महिला पर अति और हिंसा रुक नहीं रही है! यही स्थिति रही तो आश्चर्य नहीं कि महिलाएं भी पुरुषों की तरह कुछ वीभत्स हो जाएं।

अस्ल में छोटी –छोटी बातों और बढ़ते आघातों ने नारी मन की कोमलता को खुरदुरा बना दिया है। वह कोई नौकरी न कर के सारे घर का काम फोकट में करे तो करती क्या है का प्रश्न! अगर घर का काम न कर के कमाये तो पुरुष की बराबरी का ताना , यह सब से छोटा ताना होता है। यह ताना एक महिला को पुरुष महिला दोनों मिल कर देते हैं। आश्चर्य की बात है कि महिला को मारने पीटने में महिला भी पुरुष का साथ देती है। और तो और महिला को अपने कमाये पैसे घर में ख़र्च करने के बाद भी घर वालों को हिसाब भी देना होता है। उसके पास आने वाले काल्स पर महिला पुरुष के कान खड़े होते हैं और मैसेज पर दोनों की आँखें गड़ी रहती हैं,यह सब खण्ड के भीतर और घर के अंदर वाली समस्याएं और हिंसा हैं।

राजनीतिक चमचों और अंधभक्तों की बात की जाये तो वह महिला को उठा ले जाने,नंगा कर के फिराने, उसका रेप करने की धमकी देते ही रहते हैं और ऐसा करते समय उनको अपने पराये खण्ड का ध्यान नहीं रहता, गाली–गलौच तो अब सामान्य बात है। राजनीति की जंग में तो जिसका जो जी चाहता है महिलाओं को कहने लगता है,जैसा जी चाहता है लांछन लगाने लगता है। यह सब महिला को डराये और दबाये रखने के लिए भी किया जाता है। प्रायः महिलायें भी नाना प्रकार से पुरुष के द्वारा किये जाने वाले शोषण की शिकायत करती रहती है। यह माना जा सकता है कि कुछ शिकायतें षड्यंत्र भी होती होंगी मगर सब के सब षड्यंत्र हों ऐसा असंभव है। हम ने बहुत विकास कर लिया है मगर इतने विकास के बाद अभी तक महिला को केवल महिला समझना और महिला को केवल महिला के रूप में देखने का चलन समाप्त नहीं हुआ। पुरुष को केवल पुरुष समझना और पुरुष में केवल पुरुष देखने की परम्परा आज भी है। नातों के घेरे में देखा जाये तो एक आध दानवों के उदाहरण को छोड़ कर माँ,बहन,बेटी, बहू किसी पुरुष के लिए केवल महिला नहीं होतीं, महिला के अतिरिक्त उनका अस्तित्व होता है।

अनवार अब्बास नक़वी

आस्था का विसर्जन

जिस दिन मैं भी हो जाऊंगा बड़ा
आ आएगा जीना
भूल जाऊंगा
आशीष से भरा स्पर्श
हो जाऊंगा इतना ऊंचा

किबौने लगने लगेंगे

उदास दिनों में
मिले सारे कंधों
की ऊंचाई
अपने कमरे को ही
मान लूंगा सारा जहां
ढूंढ लूंगा
सबसे भरोसेमंद से भी कोई भरोसेमंद
भूल जाऊंगा
अनुभवी आंखों से दुनिया देखना
झटककर हाथ
चुन लूंगा
अपनी राह
उसे प्रतीक्षारत
छोड़कर

'प्रो.रवि कुमार मिश्र'

3 रंगों में स्पंदित राष्ट्र का महाप्राण: 22 जुलाई

'नमन उस महातेज को, जो अंबर का मुकुट और धरा का स्वाभिमान है!'

झुकाओ शीश कि आज उस विराट चेतना का अवतरण दिवस है, जिसने सदियों की दासता के तिमिर को चीरकर भारत के मस्तक पर स्वतंत्रता का सूर्य चमका दिया। यह वंदन उस महाकेतु का है, जो किसी वस्त्र का टुकड़ा नहीं, बल्कि कोटि–कोटि कंठों की हुंकार और इस आर्यावर्त की धमनियों में बहते रक्त का जीवंत स्पंदन है। 22 जुलाई 1947 का वह ऐतिहासिक क्षण, केवल संविधान सभा का एक प्रस्ताव मात्र नहीं था; वह आधुनिक भारत के भाल पर विधाता द्वारा लिखा गया एक अमर घोषणापत्र था, जिसने घोषित किया कि अब यह देश न झुकेगा, न थमेगा।

घ्जब हम इस ध्वज को देखते हैं, तो इसमें केवल रंग नहीं, बल्कि राष्ट्र का शौर्य और साधना साक्षात दिखाई देती है।

घ्इसका केसरिया कोई साधारण रंग नहीं, यह उस चिताग्नि की भस्म है जो जौहर की वेदियों से उठी थी; यह उस लहू की लाली है जो भगत सिंह, बिस्मिल और आज़ाद ने अपनी मातृभूमि के तर्पण में अर्पित की थी। यह रंग हमें कायरता से मुक्त कर राष्ट्र के लिए सर्वस्व होम करने का आह्वान करता है।

घ्इसकी धवल पट्टी उस हिमालय की समाधि है, जो युगों से अडिग रहकर संसार को शांति, सत्य और अहिंसा का संदेश दे रही है। यह ऋषियों के तप और बुद्ध–गांधी के आत्मबल की श्वेत रश्मि है।

और इसका हरा रंग केवल खेतों की लहलहाती फसल नहीं, यह इस वसुंधरा का चिर–यौवन है, यह उस जन–गण–मन का अटूट विश्वास है जो अभावों की छाती पर भी समृद्धि के गीत गाना जानता है।

तुलिका पिंगली वेंकैया की थी, किंतु रेखाएँ इतिहास स्वयं खींच रहा था। इस त्रिवेणी के मध्य में स्थापित चौबीस तीलियों का नील–चक्र साक्षात काल का पहिया है। यह गतिशीलता का उद्घोष है। यह कहता है कि जो समाज रुक गया, वह मिट गया। गति ही जीवन है, प्रगति ही नियति है। यह चक्र हमें थरकते हुए नहीं, बल्कि पुरुषार्थ के पथ पर गर्जना करते हुए आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

वर्तमान परिवेश की चुनौतियाँ और हमारा दायित्व

किंतु विचार कीजिए, क्या आज का वर्तमान इस ध्वज के त्याग और शुचिता के अनुकूल है? आज जब देश सूचना क्रांति और आधुनिकता के चरम पर है, तब कुछ अदृश्य बेड़ियाँ हमारे पैरों को जकड़ने का प्रयास कर रही हैं। वैचारिक संकीर्णता, आंतरिक विद्वेष, और सोशल मीडिया के आभासी संसार में उपजा भटकावकृये वे दीमक हैं जो हमारी राष्ट्रीय एकता की नींव को खोखला कर रहे हैं। जब समाज जातियों और संप्रदायों के संकुचित दायरों में बंटने लगता है, तो तिरंगे का वह विशाल अंबर सिकुड़ने लगता है।

इस संक्रमण काल में, यदि हमें इस ध्वज की महत्ता और संप्रभुता को अक्षुण्ण रखना है, तो हमें केवल प्रतीकों की पूजा से आगे बढ़ना होगा। हमें राष्ट्रीयता को केवल 15 अगस्त या 26 जनवरी के उत्सवों तक सीमित रखने की प्रवृत्ति का परित्याग करना होगा। राष्ट्रभक्ति प्रदर्शन की वस्तु नहीं, बल्कि हमारे दैनिक आचरण की कसौटी बननी चाहिए।

कर्तव्य–बोध को बनाएं आभूषणरू हमें अधिकारों के कोलाहल से ऊपर उठकर अपने श्नागरिक कर्तव्योंश को प्राथमिकता देनी होगी। जब एक शिक्षक निष्ठा से पढ़ाता है, एक प्रशासनिक अधिकारी ईमानदारी से नीति लागू करता है, एक सामाजिक कार्यकर्ता निस्वार्थ भाव से समाज को जोड़ता है, और एक आम नागरिक कानून का पालन करता हैकृतब वास्तव में इस ध्वज की मर्यादा ऊंची होती है।

घ्वैचारिक विषमताओं का शमनरू तिरंगे के बीच की सफेद पट्टी हमें सिखाती है कि मतभेद कितने भी गहरे हों, संवाद और शांति का मार्ग कभी बंद नहीं होना चाहिए। हमें समाज में सहिष्णुता और समरसता के उस तंतु को फिर से मजबूत करना होगा, जो विविधता में एकता का आधार है।

घ्आत्मनिर्भरता और स्वदेशी स्वाभिमानरू नील–चक्र का संदेश पुरुषार्थ है। जब तक हम आर्थिक, वैज्ञानिक और तकनीकी रूप से पूर्णतः आत्मनिर्भर नहीं होते, तब तक वैश्विक मंच पर हमारे ध्वज की गर्जना अधूरी रहेगी। युवा पीढ़ी को अपनी बौद्धिक संपदा का उपयोग देश के नवनिर्माण में करना होगा।

घ्एक अंतिम निवेदन, एक अखंड संकल्प

घ्हे भारत के भाग्यविधाताओं! हे इस राष्ट्र के सजग प्रहरियों!

घ्इस पावन दिवस पर इतिहास के झरोखे से राष्ट्र की आत्मा हमसे एक विनम्र किंतु दृढ़ निवेदन कर रही है। यह ध्वज हमसे मांग करता है कि हम अपनी व्यक्तिगत आकांक्षाओं को राष्ट्र की वेदी पर होम करना सीखें। आइए, दलगत राजनीति, प्रांतीय संकीर्णता और भाषा–जाति के क्षुद्र विवादों से ऊपर उठकर इस अंबर–चुंबी ध्वज के नीचे एक हो जाएं।

घ्आज की बेला उत्सव मनाने की नहीं, बल्कि अपनी अंतरात्मा में एक महासंकल्प को धारण करने की है। आइए, संकल्प लें किकृ

घ्हमारा हर एक कदम देश को जोड़ने के लिए उठेगा, तोड़ने के लिए नहीं।

घ्हमारा पसीना इस माटी को उर्वरा बनाएगा, और हमारा पुरुषार्थ इस तिरंगे की आभा को वैश्विक पटल पर सूर्य की भांति चमकाएगा।

घ्हम ऐसा आचरण करेंगे कि विश्व का कोई भी कोना हो, जब यह तिरंगा लहराए, तो पूरी मानवता भारत के चरित्र के सामने नर्तमस्तक हो जाए।

घ्जब तक देश के अंतिम व्यक्ति की आँखों में आंसू हैं, जब तक समाज में विषमता की खाई है, तब तक इस तिरंगे का स्वप्न अधूरा है। इस ध्वज की मर्यादा तब पूर्ण होगी जब हमारा चरित्र भी इसकी तरह निष्कलंक और ऊंचा होगा। आइए, आज इस महाप्राण के सम्मुख खड़े होकर अपनी आत्मा को झकझोरें। केवल शब्दों से नहीं, अपने पसीने और पुरुषार्थ से इस ध्वज के सम्मान को आकाश से ऊंचा उठाएं।

घ्चेतना का शंखनादरू राष्ट्र–वंदन

घ्आइए, इन पंक्तियों को केवल शब्दों की तरह नहीं, बल्कि अपनी धमनियों में बहते रक्त की हुंकार बनाकर दोहराएं, ताकि जन–जन में सोई हुई चेतना का साक्षात शंखनाद हो उठेरू

घ्उठो कि अंबर पुकारता है, राष्ट्र–केतु का आह्वान है,
यह तीन रंगों का महामंत्र, हर भारतीय का प्राण है!
घ्मत पूछो क्या दिया देश ने, खुद से जरा यह पूछ लो,
इस ध्वज की ऊंची शान को, तुमने दिया क्या दान है?
घ्जब तक धड़कती सांस है, सौगंध इस इतिहास की,
न झुकने देंगे शीश हम, यह देश हिंदुस्तान है!
घ्पुरुषार्थ के पथ पर बढ़ो, नील–चक्र गतिमान है,
लहरा रहा जो शून्य में, वह कोटि–नागरिकों का मान है!
घ्जब तक इस वसुंधरा पर सूर्य और चंद्र का अस्तित्व है, तब तक यह राष्ट्र–केतु अनंत अंबर में अपनी विजय गाथा लिखता रहे।
घ्विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा!
जय हिंद! जय भारत!
वंदे मातरम!

डॉ संगीता मनीष बनाफर, प्रदेश अध्यक्ष विश्व हिंदी परिषद नई दिल्ली भारत छत्तीसगढ़, जिला अध्यक्ष शहर समता प्रयागराज मंच

‘मुझे यकीन ही नहीं हुआ’ अक्षरा सिंह

‘वेलकम टू द जंगल’ के बाद अब अक्षरा सिंह के हाथ एक और बड़ी फिल्म लगी है। वो श्रद्धा कपूर की आगामी फिल्म ‘ईथा’ में नजर आएंगी। जानिए फिल्म मिलने पर कैसा था अक्षरा का रिएक्शन और किरदार के बारे में क्या कुछ कहा३ भोजपुरी स्टार अक्षरा सिंह हाल ही में अक्षय कुमार की फिल्म श्वेलकम टू द जंगलश के शघिस घिस घिसश गाने में नजर आईं। इस गाने ने सबका ध्यान खींचा है और अब अक्षरा ने खुलासा किया है कि वो श्रद्धा कपूर की अपकमिंग फिल्म शईथाश में भी नजर आएंगी। श्रद्धा के साथ स्क्रीन साझा करना खास बात एनडीटीवी से बात करते हुए अक्षरा सिंह ने कहा कि जैसे ही मैंने शईथाश के बारे में सुना, मेरे रोंगटे खड़े हो गए। जब मुझे पहली बार इस फिल्म के लिए कॉल आया, तो मुझे यकीन ही नहीं हुआ। मैं बहुत नर्वस और इमोशनल भी थी। मैं हमेशा से लक्ष्मण उतेकर की बहुत बड़ी फैन रही हूं। जब मुझे पता चला कि मैं उनके डायरेक्शन में बनने वाली फिल्म का हिस्सा बनने जा रही हूं, तो यह मेरे लिए एक बहुत बड़ा पल था। श्रद्धा कपूर की तारीफ करते हुए अक्षरा ने कहा कि जब मुझे पता चला कि श्रद्धा कपूर भी इस फिल्म का हिस्सा हैं, तो मेरी खुशी और बढ़ गई। वह एक बेहतरीन एक्ट्रेस और बहुत ही विनम्र इंसान हैं। उनके साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिलना मेरे लिए बहुत खास है। किरदार के बारे में नहीं दी जानकारी हालांकि, अक्षरा ने शईथाश में अपने रोल के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं जी। उन्होंने कहा कि मैं बस इतना कह सकती हूं कि मैं इस फिल्म का हिस्सा हूं और मुझे उम्मीद है कि दर्शक इसे जितना हो सके उतना प्यार देंगे। 28 अगस्त को रिलीज होगी ‘ईथा’ लक्ष्मण उतेकर द्वारा निर्देशित शईथाश 28 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में श्रद्धा कपूर के अलावा रणदीप हुड्डा और जीशान अय्यूब भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। ‘ईथा’ का मुकाबला बॉक्स ऑफिस पर यश की मच अवेटेड फिल्म ‘टॉक्सिक’ से होगा। ‘टॉक्सिक’ 26 अगस्त को रिलीज होगी। श्रद्धा कपूर और उनके रूमर्ड बॉयफ्रेंड राहुल मोदी एक बार फिर चर्चा में हैं। इस बार वह एक–साथ सिनेमाघरों में नजर आए हैं। सिनेमा हॉल के अंदर का एक वायरल वीडियो सामने आया है जिसमें श्रद्धा श्वेलकम टू द जंगलश की स्क्रीनिंग के दौरान हंसती हुई नजर आ रही हैं। राहुल उनके ठीक बगल में बैठे हैं। वीडियो ने फैंस और इंटरनेट पर हलचल मचा दी है। वीडियो में क्या है? मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह वीडियो चुपके से एक साथी दर्शक ने रिकॉर्ड किया था। इसमें श्रद्धा कपूर अक्षय कुमार की कॉमेडी फिल्म श्वेलकम टू द जंगलश का भरपूर मजा लेती दिख रही हैं। राहुल मोदी उनके बगल में बैठे फिल्म देखते हुए नजर आ रहे हैं। जिस फैन ने यह क्लिप शेयर की उसने लिखा, श्भारत की नेशनल क्रश श्रद्धा कपूर के साथ श्वेलकम टू द जंगलश देख रहा हूं।श यह पोस्ट सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तेजी से वायरल हो गया। श्रद्धा कपूर और राहुल मोदी के बारे में और जानकारी श्रद्धा कपूर और राहुल मोदी के बीच रिश्ते की चर्चा 2024 की शुरुआत से ही हो रही है। उन्हें पहली बार मुंबई में एक साथ एक रेस्टोरेंट से निकलते हुए देखा गया था। तब से, दोनों कई इवेंट्स में एक साथ नजर आए हैं। पिछले साल, श्रद्धा ने इंस्टाग्राम पर राहुल के साथ एक प्यारी सी सेल्फी पोस्ट की थी। इस तस्वीर में उन्होंने प्यार से राहुल का हाथ पकड़ा था। उन्होंने पोस्ट के साथ कैप्शन लिखा था शदिल रख ले, नींद तो वापस दे दे यार।श इसके बाद उनके रोमांस की अफवाहों को और हवा मिली। श्रद्धा कपूर के आने वाले प्रोजेक्ट्स प्रोफेशनल तौर पर देखें तो श्रद्धा के पास आगे कई प्रोजेक्ट्स हैं। वह जल्द ही मराठी लोक कलाकार विठाबाई नारायणगांवकर की बायोपिक शईठाश में नजर आएंगी। इसके अलावा, श्स्त्री 3श और फिल्ममेकर निखिल द्विवेदी की श्नागिनश भी पाइपलाइन में हैं। श्वेलकम टू द जंगलश 26 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। इस फिल्म में अक्षय कुमार के अलावा लगभग 30 कलाकारों ने अभिनय किया है। हाल ही में अक्षय ने खुलासा किया कि फिल्म श्वेलकम टू द जंगलश में एक खास डायलॉग जोड़ने के लिए वही जिम्मेदार हैं। लेकिन फिल्म में यह डायलॉग उन्होंने नहीं बोला है। अक्षय कुमार का खुलासा आईएएनएस की एक खबर के अनुसार, बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि उनकी फिल्म श्वेलकम टू द जंगलश में भोजपुरी सिनेमा की तारीफ करने वाला डायलॉग उन्होंने खुद लिखवाया था। फिल्म में अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज ने यह डायलॉग बोला है– श्भोजपुरी हॉलीवुड से बेहतर है।श अक्षय ने कहा कि यह लाइन जोड़ने का सुझाव उन्हीं का था। डायलॉग के पीछे की वजह? जब अक्षय से पूछा गया कि फिल्म में एक भोजपुरी स्टार का किरदार निभाना और भोजपुरी गाने पर डांस करना इस इंडस्ट्री के बारे में लोगों की सोच को कैसे बदलता है, तो उन्होंने कहा कि फिल्म में जैकलीन का किरदार लंदन और पेरिस जैसी जगहों से घूमकर आया है, यानी उसने पूरी दुनिया देखी है। इसके बावजूद, जब वह भोजपुरी गानों की ऊर्जा, डांस और चमक–दमक देखती है, तो हैरान रह जाती है। फिल्म में निभाया भोजपुरी स्टार का किरदार अक्षय ने कहा कि ऐसा ध् ामाकेदार डांस और एनर्जी हॉलीवुड में भी देखने को नहीं मिलती, इसलिए भोजपुरी सिनेमा हॉलीवुड से कहीं बेहतर है। अक्षय ने कहा, श्भोजपुरी सिनेमा बहुत ऊंचे स्तर पर है। फिल्म में एक भोजपुरी स्टार का किरदार निभाना मेरे लिए सम्मान की बात थी।श श्वेलकम टू द जंगलश का कलेक्शन श्वेलकम टू द जंगलश में अक्षय कुमार के साथ सुनील शेट्टी, रवीना टंडन, दिशा पाटनी, जैकलीन फर्नांडीज, अरशद वारसी, परेश रावल, राजपाल यादव और जॉनी लीवर समेत कई बड़े कलाकार हैं। यह श्वेलकमश सीरीज की तीसरी फिल्म है। इस फिल्म ने आज तीसरे दिन रविवार को अभी तक 1.82 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। श्वेलकम टू द जंगलश ने अब तक बॉक्स ऑफिस पर कुल 40.82 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है।

जापान में छाई धुरंधर, फिल्मार्क्स ऑडियंस रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंची फिल्म

रणवीर सिंह स्टारर फिल्म धुरंधर को जापान में दर्शकों का जबरदस्त प्यार मिल रहा है। रिलीज के पहले ही दिन फिल्म ने जापान के सबसे बड़े फिल्म, ड्रामा और एनीमे रिव्यू प्लेटफॉर्म शफिल्मार्क्सश की ऑडियंस सैटिस्फैक्शन रैंकिंग में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। फिल्म की शुरुआती प्रतिक्रिया ने भारतीय सिनेमा के लिए एक नई उपलब्धि दर्ज की है। जापान में फिल्मार्क्स को फिल्मों की शुरुआती लोकप्रियता और दर्शकों की प्रतिक्रिया का एक भरोसेमंद प्लेटफॉर्म माना जाता है। इसकी पहले दिन की रैंकिंग दर्शकों द्वारा दी गई औसत रेटिंग के आध ार पर तय की जाती है। धुरंधर को इसकी दमदार कहानी, शानदार अभिनय, जोशीले संगीत और रोमांच से भरपूर अंदाज के लिए दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। भारतीय फिल्मों को जापान में लंबे समय से दर्शकों का समर्थन मिलता रहा है। अब धुरंधर भी वहां के दर्शकों के बीच अपनी खास पहचान बनाने में सफल होती नजर आ रही है। फिल्मार्क्स की ऑडियंस सैटिस्फैक्शन रैंकिंग में दूसरे स्थान पर डेब्यू करना इस बात का संकेत है कि फिल्म की कहानी और प्रस्तुति जापानी दर्शकों को पसंद आ रही है। धुरंधर की जापान में मिली सफलता भारतीय फिल्मों की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय लोकप्रियता को दर्शाती है। फिल्म का शानदार रिस्पॉन्स यह साबित करता है कि मजबूत कहानी और बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर भारतीय सिनेमा दुनिया के अलग–अलग हिस्सों में दर्शकों से जुड़ रहा है।

मैट डेमन और टॉम हॉलैंड संग दिखे आशीष चंचलानी, द ओडिसी प्रीमियर में बटोरी सुर्खियां

डिजिटल सुपरस्टार आशीष चंचलानी ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई। उन्होंने निर्देशक क्रिस्टोफर नोलन की बहुप्रतीक्षित फिल्म द ओडिसी के मुंबई प्रीमियर में शिरकत की, जहां उनकी मुलाकात हॉलीवुड सुपरस्टार मैट डेमन और टॉम हॉलैंड से हुई। इस खास मौके की तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आते ही वायरल हो गईं और फैंस के बीच चर्चा का विषय बन गईं। आशीष चंचलानी ने इस यादगार शाम की झलकियां अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा कीं। तस्वीरों के साथ उन्होंने मजाकिया अंदाज में लिखा, ज्ञनबी दंप ।उमतपबं ंनत स्वदकवद `म जममद कवेज ंलम ींप नदाव डनउइंप हीनउं तीं ीन.ष उन्होंने न्दपअमतेंस च्पबजनतमे प्दकपं की टीम का भी आभार जताया। उनके इस हल्के–फुल्के अंदाज को फैंस ने खूब पसंद किया और पोस्ट पर जमकर प्रतिक्रियाएं दीं। द ओडिसी के प्रीमियर में उनकी मौजूदगी इस बात का संकेत है कि अंतरराष्ट्रीय स्टूडियोज और ग्लोबल ब्रांड्स का उन पर भरोसा लगातार बढ़ रहा है। पिछले कुछ वर्षों में आशीष चंचलानी कई बड़े हॉलीवुड इवेंट्स और ग्लोबल कैंपेन का हिस्सा बन चुके हैं। भारत में विशाल डिजिटल ऑडियंस तक उनकी पहुंच और प्रभाव ने उन्हें इंटरनेशनल फिल्म प्रमोशन्स और एक्सक्लूसिव प्रीमियर्स के लिए एक अहम चेहरा बना दिया है। यह पहली बार नहीं है जब आशीष किसी अंतरराष्ट्रीय स्टूडियो के साथ जुड़े हों। इससे पहले वह मार्वल स्टूडियोज के हाई–प्रोफाइल कैंपेन का हिस्सा रह चुके हैं। इसके अलावा वह जुरासिक वर्ल्ड के प्रीमियर और श्जुरासिक वर्ल्डरू रीबर्थश के अमेरिका प्रीमियर में आमंत्रित होने वाले चुनिंदा भारतीयों में शामिल रहे हैं। एक सफल कंटेंट क्रिएटर और निर्देशक के रूप में आशीष लगातार अपनी पहचान का विस्तार कर रहे हैं और भारतीय तथा अंतरराष्ट्रीय मनोरंजन जगत के बीच एक मजबूत कड़ी बनकर उभर रहे हैं।

हॉलीवुड तकनीक और भारतीय कहानी का संगम होगी समुक, विपुल शाह का बड़ा ऐलान

निर्माता विपुल अमृतलाल शाह अपनी आगामी साइंस–फिक्शन फिल्म समुक को बड़े और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पेश करने की तैयारी में जुटे हैं। अक्षय कुमार स्टारर इस मेगा प्रोजेक्ट को लेकर दर्शकों के बीच पहले से ही उत्सुकता बनी हुई है। फिल्म की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें हॉलीवुड के अनुभवी तकनीकी विशेषज्ञों को शामिल किया गया है। एलियन किरदार को तैयार करने की जिम्मेदारी हॉलीवुड के मशहूर क्रिएचर–इफेक्ट्स आर्टिस्ट एलेक गिलिस को सौंपी गई है। फिल्म के लिए फिजिकल कॉस्ट्यूम और प्रैक्टिकल डिजाइन तैयार किए जा रहे हैं, जिन पर करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं। समुक को भारतीय सिनेमा की सबसे महत्वाकांक्षी साइंस–फिक्शन फिल्मों में से एक माना जा रहा है। फिल्म में भारतीय कहानी को हॉलीवुड स्तर की तकनीक और विजुअल इफेक्ट्स के साथ पेश किया जाएगा। माना जा रहा है कि यह फिल्म भारतीय दर्शकों को एक ऐसा सिनेमाई अनुभव देगी, जो पहले कभी देखने को नहीं मिला। विपुल अमृतलाल शाह का उद्देश्य सिर्फ एक बड़ी फिल्म बनाना नहीं, बल्कि भारतीय सिनेमा को वैश्विक पहचान दिलाना भी है। विपुल अमृतलाल शाह ने हाल ही में फिल्म को लेकर कहा कि श्समुकश भारतीय सिनेमा के स्थापित नियमों को तोड़ने वाली फिल्म होगी। उनके मुताबिक, भारत में अब तक इस स्तर की प्रीडेटर–एलियन थ्रिलर फिल्म नहीं बनी है। उन्होंने बताया कि एलेक गिलिस एलियन क्रिएचर को डिजाइन कर रहे हैं, जबकि हॉलीवुड फिल्म वेनम से जुड़े अभिनेता–निर्देशक ल्यूक फिल्म के एक्शन सीक्वेंस का निर्देशन करेंगे। शाह ने कहा कि इस प्रोजेक्ट के लिए उन्होंने हॉलीवुड के बेहतरीन विशेषज्ञों के साथ साझेदारी की है ताकि फिल्म का हर पहलू अंतरराष्ट्रीय स्तर का हो। विपुल अमृतलाल शाह ने अक्षय कुमार के साथ अपनी लंबे समय की साझेदारी का जिक्र करते हुए कहा कि दोनों ने हमेशा नए जॉनर में काम करने की कोशिश की है, लेकिन समुक अब तक का सबसे अलग और महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है। उन्होंने बताया कि टीम ने यह तय किया था कि जब तक फिल्म के लिए परफेक्ट इंटरनेशनल स्केल हासिल नहीं होगा, तब तक शूटिंग शुरू नहीं की जाएगी।

छोटे पर्दे से लेकर बड़े पर्दे तक पर अपनी मौजूदगी से दर्शकों को हंसाने–गुदगुदाने वाली एक्ट्रेस उपासना सिंह को शुरू से ही एक्टिंग का शौक था. महज 7 साल की छोटी उम्र में उन्होंने दूरदर्शन के लिए काम करना शुरू कर दिया था. इसके बाद कई शोज में वो नजर आईं. जबकि अपने करियर में उन्होंने कई फिल्मों में भी काम किया. आज एक्ट्रेस के 51वें जन्मदिन पर जानते हैं उनकी कुछ दिलचस्प और खास बातें. 7 साल की उम्र में दूरदर्शन पर शुरू किया काम उपासना सिंह का जन्म 29 जून 1975 को पंजाब के होशियारपुर में हुआ था. उनकी स्कूली पढ़ाई होशियारपुर में ही हुई थी. वहीं आगे की पढ़ाई उन्होंने पंजाब यूनिवर्सिटी से की थी. एक्ट्रेस जब सात साल की थीं तब वो स्कूल की तरफ से दूरदर्शन के कार्यक्रमों में हिस्सा लिया करती थीं. 11 साल की उम्र में किया बॉलीवुड डेब्यू उपासना सिंह ने हिंदी फिल्मों के अलावा पंजाबी, राजस्थानी, भोजपुरी और गुजराती भाषा की फिल्मों में भी काम किया है. उनका एक्टिंग डेब्यू हिंदी सिनेमा से हुआ था. सबसे पहले वो साल 1986 की बॉलीवुड फिल्म श्बाबुलश में नजर आई थीं. उस वक्त उनकी उम्र सिर्फ 11 साल थी. वहीं 13 साल की उम्र में उन्होंने राजस्थानी फिल्म श्बाई चाली सासरिएश (1988) में काम किया था. एक वक्त वो एक्टिंग करियर में काफी बिजी रहती थीं।

बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान ने अपनी पत्नी करीना कपूर और दोनों बेटों, तैमूर और जेह की परवरिश को लेकर खुलकर बात की है। वी द वीमेन्स इवेंट में सैफ ने बताया की वे अपने बच्चों को धर्म को लेकर एक खुला नजरिया देना पसंद करते हैं। सैफ के मुताबिक, वे अपने बेटों से कहते हैं की भगवान एक ही है और उसके कई अलग–अलग नाम हैं। उन्होंने यह भी साझा किया की वे खुद बहुत ज्यादा धार्मिक नहीं हैं, लेकिन घर में अध्यात्म को लेकर हमेशा सकारात्मक बातचीत होती रहती है। वहीं उन्होंने अपने 9 साल के बेटे तैमूर के साथ हुई एक हालिया बातचीत का भी जिक्र किया, जिसने उन्हें हैरान कर दिया। मां शर्मिला टैगोर से मिली सीख सैफ अली खान ने बताया कि धर्म को लेकर यह सीख उन्हें अपनी मां शर्मिला टैगोर से मिली थी। उन्होंने कहा कि मेरी मां ने मुझे सिखाया था और वही बात मैं अपने बच्चों को सिखा रहा हूं। बात बहुत साधारण है कि भगवान एक है और उसके नाम अनेक हैं। आप उसे अलग–अलग जगहों पर पूजते हैं। अगर आपका धर्म दूसरे इंसानों के प्रति प्यार और माफी सिखाता है, तो बस यही सबसे जरूरी बात है।

नहाने से 1 घंटा पहले दही में ये चीज मिलाकर लगा लें, नेचुरली काले और लंबे-घने होंगे बाल!

❍ बालों को लंबा-घना और नेचुरली काला करना है, तो दही में चार पांच चीजें मिलाकर ये हेयर पैक तैयार कर लें। ये पैक आपके बालों को नेचुरली काला रंग देगी, साथ ही उन्हें ज्यादा हेल्दी और खूबसूरत बनाने में भी मदद करेगी।

बालों से जुड़ी कुछ प्रॉब्लम्स बेहद आम हैं, जैसे– बालों का जल्दी सफेद हो जाना, ग्रोथ रुक जाना, शाइन चली जाना या फिर खूब हेयरफॉल होना। आज लगभग हर दूसरा इंसान इनसे परेशान है। सवाल है कि इनका सॉल्यूशन क्या है, क्योंकि मार्केट वाले प्रोडक्ट्स महंगे होने के साथ–साथ इतने इफेक्टिव भी नहीं होते। ऐसे में अगर आप कोई नेचुरल सॉल्यूशन ढूंढ रहे हैं, जो बालों को काला करे और साथ ही उन्हें मजबूत भी बनाएय तो बिल्कुल सही जगह पर हैं। ये रेमेडी जो हम आपके साथ शेयर कर रहे हैं, इतनी सिंपल और इफेक्टिव है कि एक महीने में ही आपको अच्छा रिजल्ट देखने को मिल सकता है। आपको बस दही में कुछ चीजें मिलाकर एक हेयर पैक तैयार करना है, फिर देखिएगा कमाल। तो चलिए फटाफट से जान लेते हैं इसे बनाना कैसे है।

दही में ये चीजें मिलाकर बनाएं हेयर पैक

सफेद बालों को काला करना है, हेयरफॉल रोकना है, लंबाई बढ़ानी है या बालों की नेचुरल चमक वापस लानी हैय कोई भी हेयर प्रॉब्लम हो दही में ये चीजें मिलाकर एक हेयर पैक तैयार कर लें। इसके लिए आपको 1 चम्मच के करीब हल्दी पाउडर, कलौंजी के दाने (1 चम्मच), दो लौंग, ताजी दही (लगभग 4 चम्मच), हीना यानी मेहंदी पाउडर (2 चम्मच) और आंवला पाउडर (1 चम्मच) लेना है। आइए अब जानते हैं ये हेयर मास्क तैयार कैसे करना है।

इस तरह बनाएं ये नेचुरल हेयर पैक

हेयर पैक तैयार करने के लिए सबसे पहले एक लोहे की कढ़ाही या तवा गैस पर चढ़ाएं। अब इसमें हल्दी पाउडर डालकर ड्राई रोस्ट कर लें, जबतक ये काले रंग की ना हो जाए। हल्दी को किसी बाउल में निकाल लें, फिर उसी कढ़ाही में थोड़ी सी कलौंजी और दो लौंग भी कुछ देर के लिए भून लें। फिर इन्हें कूटकर एक पाउडर सा तैयार कर लें।

इसके बाद लोहे की कढ़ाही में ताजी दही लें और उसे हल्का सा फेंट लें। फिर इसमें भुनी हुई हल्दी और कलौंजी–लौंग का पाउडर एड करें। इन्हें अच्छे से चलाते हुए आपस में मिक्स कर लें। बालों को परमानेंट काल रंग देने के लिए इसमें दो चम्मच कोई भी मेंहदी पाउडर मिला लें, साथ में आंवला का पाउडर भी मिक्स करें। अगर आप मेंहदी पाउडर नहीं मिलाना चाहते हैं, तो आंवला पाउडर थोड़ा ज्यादा इस्तेमाल कर सकते हैं।

कितनी देर के लिए रखकर छोड़ना है ये पैक?

अगर आप अपने बालों को काला रंग देना चाहते हैं, तो इसे बनकर रातभर के लिए रख दें। फिर सुबह बालों में अप्लाई करें। वहीं अगर बालों को डीप कंडीशन करना है या हेयरफॉल और हेयर ग्रोथ के लिए ये पैक लगा रहे हैं, तो तुरंत इस्तेमाल कर सकते हैं।

कब और कैसे अप्लाई करें?

इस हेयर पैक को हमेशा साफ बालों में अप्लाई करें। इसे आप आधे से एक घंटे के लिए अपने बालों में लगाकर छोड़ सकते हैं। फिर नॉर्मल पानी से हेयर वॉश कर लें। शैंपू दो से तीन दिन के बाद ही इस्तेमाल करें।

फायदे क्या–क्या होंगे?

बालोंका झड़ना कम होता है।

बालों को नेचुरली काला रंग मिलता है। नियमित इस्तेमाल से काले बाल आना शुरू हो सकते हैं।

बालों में नेचुरली शाइन आती है।

बालों की लंबाई बढ़ने में मदद मिलती है।

बाल ज्यादा सॉफ्ट, शाइनी और मजबूत होते हैं।

बालों में डैंड्रफ और स्कैल्प इन्फेक्शन की समस्या कम होती है।

मैदा नहीं, सिर्फ 1 कटोरी सूजी से बच्चों के लिए बनाएं क्रंची स्माइली, मार्केट से भी टेस्टी बनती हैं!

❍ बच्चों के लिए कोई ऐसा स्नैक ढूंढ रही हैं, जो खाने में भी टेस्टी हो और फटाफट बन भी जाए तो ये सूजी स्माइली एक अच्छा ऑप्शन हैं। बहुत ही जल्दी बन जाती हैं और खाने में बिल्कुल मार्केट जैसी क्रंची और टेस्टी बनती हैं।

बच्चों को अक्सर स्नैक्स में कुछ ना कुछ चाहिए ही रहता है। शाम होते ही या तो उन्हें बाहर का कुछ खाना होता है, या घर पर ही वो किसी टेस्टी स्नैक की डिमांड करने लगते हैं। ऐसे में मम्मियां अक्सर कुछ ढूँढती रहती हैं, जो हेल्दी, टेस्टी और झटपट बनने वाला हो। आज की सूजी स्माइली वाली रेसिपी कुछ ऐसी ही है। मार्केट में बनी बनाई फ्रोजन स्माइली मिलती तो हैं, लेकिन उनमें मैदा, पाम ऑयल और भी कई प्रिजर्वेटिव्स का इस्तेमाल किया जाता है। हालांकि बच्चों को ये कुरकुरा स्नैक खूब पसंद होता है, इसलिए घर पर ही आप सूजी की स्माइली बनाकर उन्हें दे सकती हैं। बहुत ही सिंपल रेसिपी है और इतनी कुरकुरी और टेस्टी बनती है कि बच्चे बाहर वाला स्नैक खाना तो भूल ही जाएंगे। आइए डिटेल में जान लेते हैं कि बनाना कैसे है।

सूजी स्माइली बनाने के लिए जरूरी सामग्री

मार्केट में मिलने वाली क्रंची और टेस्टी स्माइली आप सूजी से घर पर भी बना सकती हैं, वो भी फटाफट। इसके लिए आपको जिन सामग्रियों की जरूरत होगी वो हैं– सूजी (1 कटोरी), पानी (डेढ़ कटोरी), स्वादानुसार नमक, तेल (आधा चम्मच, आटा गूंथने के लिए) और तलने के लिए तेल।

इस तरह बनाएं सूजी की क्रंची और टेस्टी स्माइली

स्माइली बनाने के लिए सबसे पहले गैस पर एक पैन चढ़ाएं। इसमें डेढ़ कटोरी के करीब पानी लें, स्वादानुसार नमक एड करें और फिर एक कटोरी सूजी डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। इसे मीडियम फ्लेम पर लगभग 5 मिनट के लिए पकने दें, जबतक ये गाढ़े डो जैसी कंसिस्टेंसी में नहीं आ जाता। अब गैस बंद करें और सूजी को ठंडा होने के लिए रख दें।

जैसे ही सूजी का डो हल्का ठंडा हो जाए, इसमें थोड़ा सा तेल एड करें और अच्छे से दो मिनट के लिए गूंथकर एक सॉफ्ट और स्मूद सा आटा तैयार कर लें। अब इसकी एक बड़ी लोई बना लें और बेलन से बेलकर एक बड़ी सी रोटी तैयार करें। अब किसी भी ढक्कन या शेप कटर की मदद से छोटी छोटी गोल शेप काट लें। स्माइली वाले डिजाइन के लिए आप स्ट्रॉ से आँखें और चम्मच से स्माइल बना सकती हैं।

अब एक पैन में तेल गर्म करें और स्माइलीज को मीडियम–हाई हीट पर गोल्डन ब्राउन और क्रिस्पी होने तक फ्राई कर लें। बिल्कुल मार्केट जैसी टेस्टी और क्रंची स्माइली बनकर तैयार हैं, वो भी सिर्फ सूजी से। शाम के स्नैक में बच्चों के लिए कुछ टेस्टी बनाना हो, तो एक बार इस रेसिपी को जरूर ट्राई कर के देखें।

मंदिरों की नगरी बोला जाता है ये शहर, 1 दिन में करें इन जगहों को एक्सप्लोर

❍ जगन्नाथ पुरी की रथयात्रा में शामिल होने के लिए लाखों श्रद्धालु भुबनेश्वर होकर ही जाएंगे। इस शहर में अगर ठहरने का मौका मिले तो इन अद्भुत मंदिरों के दर्शन जरूर करें।

उड़ीसा की राजधानी भुबनेश्वर केवल पुरी पहुंचने का जरिया नहीं है। भुबनेश्वर को टेंपल नगरी के नाम से जाना जाता है। पुरी जा रहें रथयात्रा में शामिल होने के लिए तो भुबनेश्वर की सैर किए बिना आपकी ट्रिप अधूरी रह जाएगी। वैसे तो इस शहर में और आसपास घूमने के लिए एक दो नहीं पूरे 23 प्लेसेज हैं। लेकिन समय कम है और आपके पास मात्र 1 दिन भुबनेश्वर में रुकने के लिए है तो आप इन जगहों को जरूर एक्सप्लोर करें।

लिंगराज टेंपल

भुबनेश्वर के कुछ टॉप पॉपुलर मंदिर की लिस्ट में लिंगराज टेंपल शामिल है। सुबह साढ़े छह से लेकर शाम को साढ़े सात बजे तक खुला रहने वाला ये मंदिर शहर का सबसे पुराना और हिंदूओं का सबसे बड़ा मंदिर है। 11वीं शताब्दी में बने इस मंदिर में भगवान शिव की पूजा होती है। भुबनेश्वर के पुराने शहर में ये मंदिर स्थित है। जो एयरपोर्ट से मात्र साढ़े चार किमी ही दूर है। वहीं रेलवे स्टेशन की दूरी भी मंदिर से लगभग 5 किमी ही है।

बिंदू सरोवर

लिंगराज मंदिर के पास ही बना है बिंदू सरोवर, इस सरोवर के बारे में मान्यता है कि इसे भगवान शिव ने माता पार्वती की प्यास बुझाने के लिए बनाया है। ये काफी पवित्र जगह है और लोग इस सरोवर में डुबकी लगाते हैं। बिंदू सरोवर घाट की सुबह छह से रात के आठ बजे तक खुला रहता है।

धौलीगिरी शांति स्तूप

भुबनेश्वर के कुछ पुराने स्मारकों में से एक धौलीगिरि स्तूप है। जिसे पीसपैगोड़ा भी बोला जाता है। इस स्तूप में जाने के लिए एंट्री फीस लगती है जो 50 रुपये हैं। वहीं शाम के समय यहां पर लाइट एंड साउंड शो भी होता है। सुबह 6 बजे से लेकर शाम के 7 बजे तक ये जगह खुली रहती है।

राजारानी टेंपल

कलिंग काल के मंदिरों में से एक मंदिर ये भी है। 11वीं शताब्दी का इस मंदिर को भी माना जाता है जिसमे भगवान शिव की पूजा होती है। इस मंदिर का नाम राजा रानी इसके पत्थरों की वजह से पड़ा है जो पीले और लाल रंग के होते हैं और इन पत्थरों को ही राजारानी पत्थर बोला जाता है। इस मंदिर में एंट्री फीस इंडियन के लिए 25 रुपये और 250 रुपये विदेशी नागरिक के लिए होती है।

मुक्तेश्वरा टेंपल

मंदिरों की नगरी भुबनेश्वर में आप किसी भी मंदिर में जाएंगे तो वहां की वास्तुकला हैरान कर देगी। लाल बलुआ पत्तों से तैयार तोरण काफी हैरान करने वाला दिखता है। वहीं इस मंदिर की बिल्डिंग चौकोर है वहीं छत तो पिरामिड की तरह तिकोना बनाया गया है। इस मंदिर में एंट्री फ्री है।

इन जगहों पर भी घूम सकते हैं

भुवनेश्वर में मंदिरों के अलावा नंदनकानन जू,निक्को पार्क, उड़ीसा स्टेट म्यूजियम, परसुरामेश्वरा मंदिर जैसी जगहें भी हैं। जिन्हें आप एक्प्लोर कर सकते हैं।

फ्रिज में सब्जियों को रखने का सबसे सटीक तरीका, हफ्तेभर ताजी रहेंगी

❍ ताजी सब्जियों के चक्कर में हर दिन सब्जी खरीदकर लाती हैं। फ्रिज में रखते ही ये पीली पड़ने लगती हैं तो इस आसान से हैक को जान लें। इस हैक से सब्जियों क फ्रिज में स्टोर करेंगी तो पूरे हफ्तेभर ताजी ही बनी रहेंगी।

पूरे हफ्ते के लिए सब्जियां खरीदकर लाती हैं। तोरी, बैंगन, कुंदरू, टमाटर, परवल लेकिन फ्रिज में रखने के बाद भी ये बासी लगने लगती हैं। तोरी पिचककर बिल्कुल सूखने को आ जाती है। वहीं परवल भी पीले पड़ने लगते हैं। समझ नहीं आता कि आखिर कैसे फ्रिज में सब्जियों को स्टोर करें कि ये बिल्कुल ताजी और हरी बनी रहें। जब मन हो फ्रिज से निकालें और फटाफट बनाएं। सब्जियां बासी हो जाती हैं इस वजह से आप भी हर रोज सब्जी खरीदने के लिए चक्कर लगाती हैं तो ये तरीका नोट कर लें। इस तरीके से फ्रिट में सब्जियों को स्टोर करेंगी तो हफ्तेभर से भी ज्यादा समय तक सब्जियां हरी–भरी और ताजी बनी रहेंगी।

ना रखें प्लास्टिक के डिब्बे और बैग में

इंटरनेट पर आपको नुस्खा मिल जाएगा कि सब्जियों को प्लास्टिक के एयर टाइट डिब्बे या फिर प्लास्टिक के जिपलॉक बैग में सब्जियों को रखें। लेकिन किसी भी नॉर्मल मिडिल क्लास घर के लिए ऐसा करना मुश्किल है क्योंकि प्लास्टिक के डिब्बे और जिपलॉक बैग खरीदने में भी खर्च होगा, जिसका बजट हर किसी के पास नहीं। ऊपर से फ्रिज छोटा है तो इतनी जगह भी नहीं होगी। ऐसे में ये सटीक सा नुस्खा आपके काम आएगा, जिससे आप सब्जियों को फ्रिज में आसानी से स्टोर कर सकेंगी।

सब्जियों को कपड़ों में करें स्टोर

फ्रिज में सब्जियों को ताजा–हरा बनाकर रखना है तो बस किसी कॉटन के कपड़े का यूज करें। मार्केट से छोटे किचन टॉवल मिल जाएंगे और अगर वो भी नहीं है तो किसी पुरानी कॉटन की बेडशीट जो यूज नहीं होती। उसे धोकर सुखा लें औ चौकोर बड़े टुकड़ों में काट लें। अब इन कॉटन के कपड़ों में सब्जियों को लपेटकर आराम से फ्रिज की बास्केट में रख दें। तोरी, लौकी, परवल, टमाटर ये सारी सब्जियां हफ्तेभर यूं ही फ्रेश रखी रहेंगी और फ्रिज में ज्यादा जगह भी नहीं लेंगी।

पॉलीथिन का यूज ना करें

सब्जियों को पॉलीथिन में बिल्कुल ना रखें। पॉलीथिन में नमी ट्रैप होती है और सब्जियां जल्दी ही सड़ जाती है।

धनिया स्टोर करने का तरीका

हरी सब्जियों और धनिया को स्टोर करना है तो इसके लिए भी आपके कपड़े का तरीका ही काम करेगा। किसी पतले मलमल के कपड़े में धनिया और हरी पत्तेदार सब्जियों को लपेटकर रख दें तो ये बास्केट में ताजी बनी रहेंगी। बस बनाने से थोड़ी देर पहले इन्हें निकालें और पानी से धो दें। फिर से फ्रेश नजर आने लगेंगी। ये सब्जियां ना सूखेंगी और ना ही सड़ेंगी।

नहीं बनती रेस्टोरेंट जैसी सब्जी, ग्रेवी बनाने के ये 6 सीक्रेट नोट कर लें

❍ घर में जब भी पनीर की सब्जी बनती है या फिर कोफ्ते बनते हैं तो उसमे वो रिच, क्रीमी टेस्ट नहीं आता। इस टेस्ट के लिए ही तो लोग रेस्टोरेंट जाते हैं लेकिन अब वो रेस्टोरेंट वाला टेस्ट घर में मिल सकता है, बस इन 6 सीक्रेट टिप्स की मदद से बनाएं ग्रेवी।

घर में जब भी ग्रेवी वाली सब्जी बनती है तो उसमे वो स्वाद नहीं आता जो रेस्टोरेंट में मिलता है। शाही पनीर बना रही हों या फिर बटर चिकन, ग्रेवी में या तो मसाले ज्यादा हो जाते हैं या फिर मसाला कम करो तो फीका, जबकि रेस्टोरेंट में ग्रेवी का टेस्ट बिल्कुल क्रीमी, परफेक्ट टेक्सचर आता है। अगर आपके मन में भी यहीं सवाल उठता है तो ये 6 सीक्रेट टिप्स को नोट कर लें। जो आपकी ग्रेवी वाली सब्जी को बिल्कुल रेस्टोरेंट स्टाइल बनाएगा। जिसे खाकर सबके मुंह से केवल तारीफ ही निकलेगी। ये रहे 3 सीक्रेट टिप्स

रेस्टोरेंट टेस्ट वाली ग्रेवी बनाने का सीक्रेट नंबर 1

प्याज को कभी भी कच्चा नहीं भूना जाता। रेस्टोरेंट में जब भी ग्रेवी बनती है तो पहले तेल में लच्छेदार प्याज को काटकर ब्राउन कर लेते हैं। उसके बाद इनका पेस्ट बनाते हैं। ऐसा करने से प्याज का मीठापन और टेस्ट दोनों प्रिजर्व हो जाता है। जिसकी वजह से स्पाइस डालने के बाद भी ग्रेवी में हल्की सी मिठास होती है।

टमाटर की प्यूरी को पकाना–सीक्रेट टिप्स 2

फ्राई प्याज के पेस्ट को भूनने के बाद उसमे टमाटर के पेस्ट को डाला जाता है। फिर इसे तब तक भूनते हैं जब तक प्याज और टमाटर का पेस्ट भुनकर तेल नहीं छोड़ देता है।

सीक्रेट टिप्स 3

सबसे आखिर में जो तीसरा सीक्रेट है वो है बटर। जिसे ग्रेवी पकाने के बाद डाला जाता है। बटर की रिचनेस और साथ में क्रीम की स्मूदनेस दोनों मिलकर ग्रेवी को काफी बैलेंस टेस्ट देते हैं।

जो आदमी सच में अच्छे होते हैं, उनमें जरूर दिखती हैं ये 5 आदतें!

❍ असली शालीनता महंगे कपड़ों या दिखावे से नहीं, बल्कि व्यवहार से पहचानी जाती है। किसी पुरुष की कुछ छोटी-छोटी आदतें बता देती हैं कि वह दूसरों के प्रति कितना सम्मान और समझ रखता है।

हर किसी की नजर में एक अच्छे और शालीन पुरुष की परिभाषा अलग हो सकती है। कुछ लोग इसे पहनावे से जोड़ते हैं, तो कुछ सफलता या पैसे से। लेकिन सच यह है कि किसी इंसान की असली पहचान उसके व्यवहार और सोच से होती है।

जो व्यक्ति बिना दिखावा किए हर किसी का सम्मान करता है, अपनी बात पर कायम रहता है और दूसरों की भावनाओं की कद्र करता है, वही वास्तव में अलग नजर आता है। ऐसे लोगों को अपनी अच्छाई साबित करने की जरूरत नहीं पड़ती, क्योंकि उनका व्यवहार ही उनके व्यक्तित्व की पहचान बन जाता है। आइए जानते हैं ऐसी 5 आदतों के बारे में, जो किसी पुरुष में अच्छे संस्कार होने का संकेत मानी जाती हैं।

1. हर व्यक्ति के साथ एक जैसा सम्मान

एक शालीन पुरुष सिर्फ अपने परिवार या खास लोगों के साथ ही अच्छा व्यवहार नहीं करता। वह घर में काम करने वाले, किसी दुकान के कर्मचारी, बुजुर्ग या किसी अनजान व्यक्ति से भी सम्मान के साथ बात करता है। उसके लिए हर इंसान बराबर होता है।

2. हर बात में दिखावा नहीं करता, अपने व्यवहार में स्थिर रहता है

कुछ लोग हर छोटी बात पर जरूरत से ज्यादा रिएक्शन देते हैं। वहीं, शालीन पुरुष बिना शोर किए अपने काम और जिम्मेदारियों को निभाता है। उसका व्यवहार हर परिस्थिति में लगभग एक जैसा रहता है।

3. आपकी बात बीच में नहीं काटता

जब कोई व्यक्ति आपकी बात ध्यान से सुनता है, तो यह सम्मान की निशानी होती है। एक अच्छे स्वभाव वाला पुरुष सामने वाले को अपनी बात पूरी करने का मौका देता है। वह पहले समझने की कोशिश करता है, फिर अपनी राय रखता है।

4. हर किसी को इंप्रेस करने की कोशिश नहीं करता

असली शालीनता दिखावे से नहीं आती। ऐसे पुरुष अपनी तारीफ सुनने या लोगों को इंप्रेस करने के लिए बनावटी व्यवहार नहीं करते। वे जैसे होते हैं, वैसे ही रहते हैं। उनका कॉन्फिडेंस उनके काम और व्यवहार में नजर आता है।

संक्षिप्त

कब से चल रही है रोहित शर्मा को 'ड्रॉप' करने की प्लानिंग? शुभमन गिल भी हो गए थे मजबूर

नई दिल्ली,एजेंसी। पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के प्रदर्शन से टीम मैनेजमेंट खुश नहीं है, यह बात तो साफ हो गई है। हाल ही में आई रिपोर्ट ने इस बात को तूल दी थी कि लॉर्ड्स वनडे उनके इंटरनेशनल करियर का आखिरी मुकाबला हो सकता है। चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर ने उन्हें वर्ल्ड कप 2027 प्लान के बारे में बात दिया है और कहा है कि वह उनकी स्कीम का हिस्सा नहीं है। हालांकि बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने इन्हें अफवाह बताकर खारिज कर दिया और कहा कि रोहित शर्मा रिटायरमेंट नहीं ले रहे हैं, वह वर्ल्ड कप स्कीम का हिस्सा हैं। मगर एक और रिपोर्ट सामने आई है जिसमें बताया जा रहा है कि रोहित शर्मा को टीम से ड्रॉप करने की प्लानिंग अफगानिस्तान सीरीज से ही चल रही थी। टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, सिलेक्टर्स ने अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू व्क् सीरीज के बाद रोहित को ड्रॉप करने का मन बना लिया था। असल में, रिपोर्ट में एक जबरदस्त दावा किया गया था, जिसमें कहा गया था कि जब टीम मैनेजमेंट ने जायसवाल को मौका देने का सुझाव दिया, तो रोहित ने सीरीज के तीसरे ODI के लिए आराम करने से मना कर दिया। इस वजह से, कप्तान शुभमन गिल को विराट कोहली की जगह तीसरे नंबर पर बैटिंग करनी पड़ी, जो सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं थे। BCCI के एक सोर्स ने पेपर को बताया, पिछले महीने अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू ODI सीरीज के बाद सिलेक्टर्स ने उन्हें ड्रॉप करने का मन बना लिया था। रोहित ने जायसवाल को मौका देने के लिए चेन्नई में तीसरे ODI के लिए भी आराम करने से मना कर दिया। आखिरकार, जायसवाल को मौका देने के लिए कप्तान शुभमन गिल को नंबर 3 पर बैटिंग करनी पड़ी। पिछले साल चौंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद रोहित की जगह गिल को ODI कप्तान बनाने के बाद से ही गौतम गंभीर की टीम मैनेजमेंट कथित तौर पर रोहित के परफॉर्मेंस से नाखुश है। सूत्र ने कहा, रोहित के लिए यह हमेशा एक चुनौती रहने वाली थी क्योंकि उन्होंने बाकी दो फॉर्मेट से रिटायरमेंट ले लिया है। वह बहुत कम डोमेस्टिक क्रिकेट भी खेलते हैं। वह पिछले सीजन में विजय हजारे ट्रॉफी के दो मैचों में खेले थे, जिनमें से एक सिक्किम के खिलाफ था। उन्हें अपनी लय पाने के लिए और समय चाहिए। सिलेक्टर्स ने अपनी राय बता दी है। अब, यह रोहित और बोर्ड पर है कि वे इसे कैसे आगे बढ़ाना चाहते हैं।

आयुष्मान भारत के तहत 1.91 लाख करोड़ का कैशलेस उपचारे

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने शुक्रवार को बताया कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना ने 1.91 लाख करोड़ रुपये से अधिक का नकद रहित उपचार दिया है। यह उपचार देश भर के 37,000 से अधिक सूचीबद्ध अस्पतालों के तंत्र से हुआ है। जाधव राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण की चिंतन शिविर समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि AB PM-JAY को अंत्योदय की भावना से अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवा देने के लिए बनाया गया है। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन ने 94 करोड़ से अधिक ABHA नंबर बनाए हैं। इसके तहत 100 करोड़ से अधिक अंकीय स्वास्थ्य अभिलेख भी जोड़े गए हैं। NHA के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुनील कुमार बर्नवाल ने चिंतन शिविर को प्रगति समीक्षा का महत्वपूर्ण मंच बताया। उन्होंने आंकड़ा विश्लेषण और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग पर जोर दिया। बर्नवाल ने उन्नत एप जैसी अंकीय स्वास्थ्य पहलों पर भी प्रकाश डाला। बैठक में दोनों प्रमुख स्वास्थ्य योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। केंद्र सरकार की 28,840 करोड़ रुपए की संशोधित उड़ान योजना का उद्देश्य देश के अधिक से अधिक क्षेत्रीय शहरों को हवाई संपर्क से जोड़ना है। इस योजना के तहत भारत के विमानन क्षेत्र में एक और परिवर्तनकारी पहल के रूप में 100 नए हवाई अड्डों और 200 आधुनिक हेलीपैड के निर्माण की परिकल्पना की गई है। सरकार द्वारा शुक्रवार को जारी एक फैक्टशीट के मुताबिक, देश के एयरमैप पर और अधिक क्षेत्रीय शहरों को लाने के लिए 28,840 करोड़ रुपए के बजट के साथ शुरू की गई संशोधित उड़ान स्कीम का लक्ष्य भारत में एविएशन के क्षेत्र में एक और बड़े बदलाव के तहत 100 नए एयरपोर्ट और 200 आधुनिक हेलीपैड बनाना है। अक्तूबर 2016 में शुरू की गई क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस) उड़ान आम नागरिकों के लिए हवाई यात्रा को अधिक किफायती और सुलभ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम थी। इस योजना ने देश के अल्प–सेवित और असेवित क्षेत्रों तक हवाई संपर्क का विस्तार भी किया। आज भारत घरेलू विमानन बाजार के मामले में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश बन चुका है। पिछले एक दशक में देश में संचालित हवाई अड्डों की संख्या 2014 के 74 से बढ़कर 15 जुलाई तक 165 हो गई है।

सचिन ने सोबर्स के साथ बिताए पलों को किया याद, कोहली बोले– आने वाली पीढ़ियां रखेंगी याद

नई दिल्ली,एजेंसी। क्रिकेट जगत के महानतम ऑलराउंडरों में शुमार वेस्टइंडीज के दिग्गज सर गारफील्ड सोबर्स के निधन पर सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली ने गहरा दुख व्यक्त किया है। सचिन ने सोबर्स के साथ बिताए गए पलों को याद किया है, जबकि कोहली का कहना है कि सोबर्स ने अपने करियर में जो कुछ हासिल किया जो आने वाली पीढ़ियां याद रखेंगी। सोबर्स का 89 वर्ष की उम्र में निधन हो गया था। उन्होंने अपने करियर में बल्लेबाजी, तेज और स्पिन गेंदबाजी और बेहतरीन फील्डिंग से क्रिकेट को नई पहचान दी। 28 जुलाई को सोबर्स का 90वां जन्मदिन था, लेकिन उससे पहले ही उनका निधन हो गया। सर गारफील्ड सोबर्स ने वेस्टइंडीज के लिए 93 टेस्ट मैच खेले। इस दौरान उन्होंने 160 पारियों में 8,032 रन बनाए। उनका बल्लेबाजी औसत 57.78 रहा, जो उनके दौर के हिसाब से असाधारण माना जाता है। उन्होंने अपने करियर में 26 शतक, 30 अर्धशतक, दो दोहरे शतक और एक तिहरा शतक लगाया। उनका सर्वोच्च स्कोर 365 रन' रहा, जो उस समय टेस्ट क्रिकेट का विश्व रिकॉर्ड था और कई वर्षों तक कायम रहा। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 235 विकेट लिए। उनका गेंदबाजी औसत 34.04 और इकोनॉमी 2.33 रही। सोबर्स ने अपने करियर में सिर्फ एक वनडे मैच खेला। इसमें उन्होंने कोई रन नहीं बनाया, लेकिन एक विकेट जरूर हासिल किया। सचिन तेंदुलकर ने सर गैरी सोबर्स के साथ बिताए गए पलों को याद करते हुए एक बेहद भावुक पोस्ट लिखा। सचिन ने कहा कि इस खबर पर विश्वास कर पाना बेहद मुश्किल है। अपनी यादों को साझा करते हुए सचिन ने लिखा, यह स्वीकार करना बेहद कठिन है कि सर गैरी अब हमारे बीच नहीं रहे। मैं वर्षों से हमारे बीच की उन यादों को याद कर रहा हूं जब उन्होंने मुझे 2003 विश्व कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट की ट्रॉफी सौंपी थी और मुझे सम्मानित करते हुए प्यार भरे शब्द कहे थे। वे हमेशा बेहद दयालु और उदार रहे। सचिन ने सोबर्स के साथ लंदन में हुई अपनी आखिरी मुलाकात का जिक्र करते हुए कहा, मेरा दिमाग बार–बार उस पल पर जा रहा है जब कुछ साल पहले हम लंदन में मिले थे। हम बस बैठे थे और क्रिकेट पर बातें कर रहे थे। आज यह सोचकर बहुत दुख हो रहा है कि वह हमारी आखिरी मुलाकात थी। वे सच में वन एंड ओनली (एकमात्र) थे। उनकी कमी हमेशा खलेगी। रेस्ट इन पीस, सर गैरी। भारतीय क्रिकेट स्टार विराट कोहली ने भी सर गारफील्ड सोबर्स के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने सोबर्स को क्रिकेट इतिहास की सबसे महान हस्तियों में से एक बताया। कोहली ने एक्स पर लिखा, क्रिकेट ने अपने सबसे महान खिलाड़ियों में से एक को खो दिया है। रेस्ट इन पीस, सर गारफील्ड सोबर्स। आपका इतिहास आने वाली कई पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।

रोहित शर्मा–विराट कोहली वर्ल्ड कप 2027 में कर सकते हैं 'लियोनेल मेसी' जैसा कमाल

नई दिल्ली,एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और मौजूदा एक्सपर्ट मोहम्मद कैफ ने टीम इंडिया के दो लीजेंड प्लेयर्स रोहित शर्मा और विराट कोहली की तुलना अर्जेंटीना के फुटबॉलर 'लियोनेल मेसी' से की है। कैफ का कहना है कि जैसे मेसी के अनुभव के दम पर अर्जेंटीना फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में पहुंची है, वैसी ही भूमिका रोहित और विराट 2027 वर्ल्ड कप में भारत के लिए निभा सकते हैं। मेसी ने सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ कोई गोल नहीं किया, मगर उनके दो बेहतरीन असिस्ट के दम पर अर्जेंटीना उस नॉकआउट मैच में दो गोल करने में कामयाब रही। अर्जेंटीना ने आखिरी कुछ मिनट में बाजी पलट इंग्लैंड को 2–1 से हरा लगातार दूसरी बार फाइनल में जगह बनाई।

मोहम्मद कैफ ने क्रिकबज के शो पर कहा, 2027 का फेज बहुत इंपॉर्टेंट होगा। लोग विराट कोहली और रोहित शर्मा के बारे में बात कर रहे हैं क्योंकि यह आसान वर्ल्ड कप नहीं होगा। कंडीशन अलग होंगी, बाउंसी पिचें होंगी, और इंडिया को वहां इन दोनों प्लेयर्स की जरूरत होगी। हम पक्का चाहेंगे कि वे अब से ज्यादा से ज्यादा मैच खेलें और अच्छे फॉर्म में रहें।

उन्होंने अर्जेंटीना के स्टार से इन दोनों की तुलना करते हुए आगे कहा, एलियोनेल मेसी 39 साल के हैं और उनकी टीम FIFA वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंच गई है। उन्होंने सेमीफाइनल में गोल नहीं किया, लेकिन एक असिस्ट किया। अनुभव से यही मिलता है। जब आपके पास युवा खिलाड़ी होते हैं जो काम पूरा कर सकते हैं, तो अनुभवी खिलाड़ी जानते हैं कि उन्हें कैसे गाइड करना है और मौके कैसे बनाने हैं, इसलिए जैसे मेसी अर्जेंटीना के लिए हैं, वैसे ही विराट कोहली और रोहित शर्मा वर्ल्ड कप में भारत के लिए हैं। भारत के पूर्व बल्लेबाज ने कहा कि अनुभव की कीमत सभी खेलों में एक जैसी रहती है। कैफ ने कहा, ष्चाहे फुटबॉल हो या क्रिकेट, अनुभव बहुत बड़ी भूमिका निभाता है। विराट कोहली और रोहित शर्मा को सबसे महान ODI खिलाड़ियों में से माना जाता है, इसलिए भारत को उनकी 100 परसेंट जरूरत होगी, खासकर कप्तान शुभमन गिल के

नेतृत्व में साउथ अफ्रीकी हालात में।

बता दें, हाल ही में रोहित शर्मा के रिटायरमेंट को लेकर अफवाह उठी थी, जिसके बाद कैफ का यह बयान आया है। रिपोर्ट्स थीं कि रोहित इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे वनडे के बाद रिटायरमेंट ले सकते हैं क्योंकि मुख्य चयनकर्ता अजीत अगर ने उन्हें साफ कर दिया था कि वह अब वर्ल्ड कप 2027 स्कीम का हिस्सा नहीं हैं। हालांकि बीसीसीआई ने इन सभी अफवाओं को खारिजा किया और बताया कि रोहित शर्मा रिटायरमेंट नहीं लेने वाले हैं।

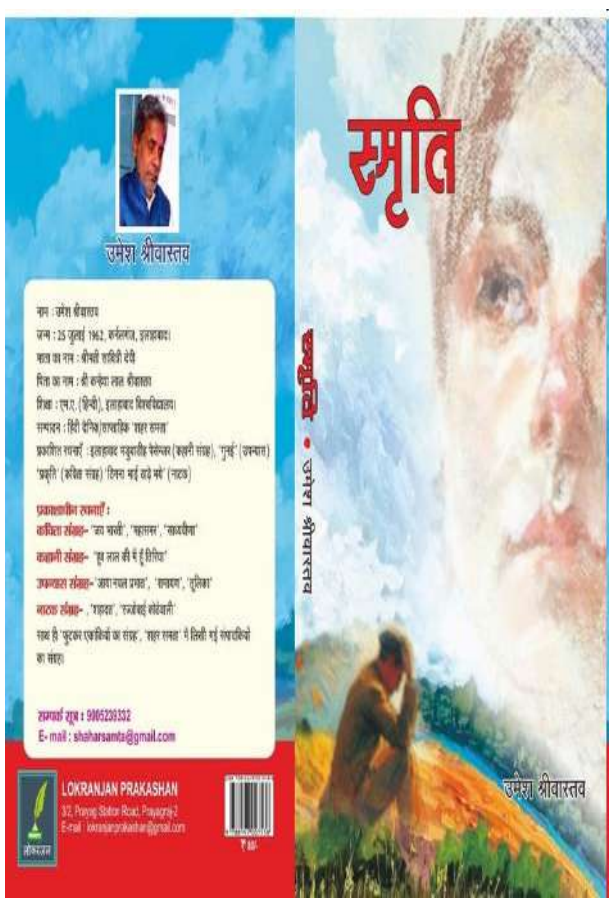

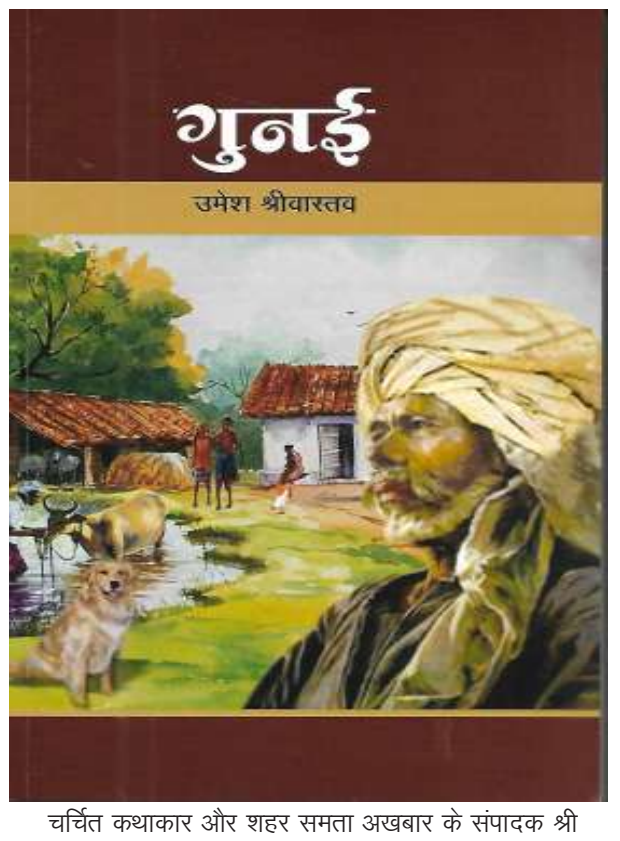

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

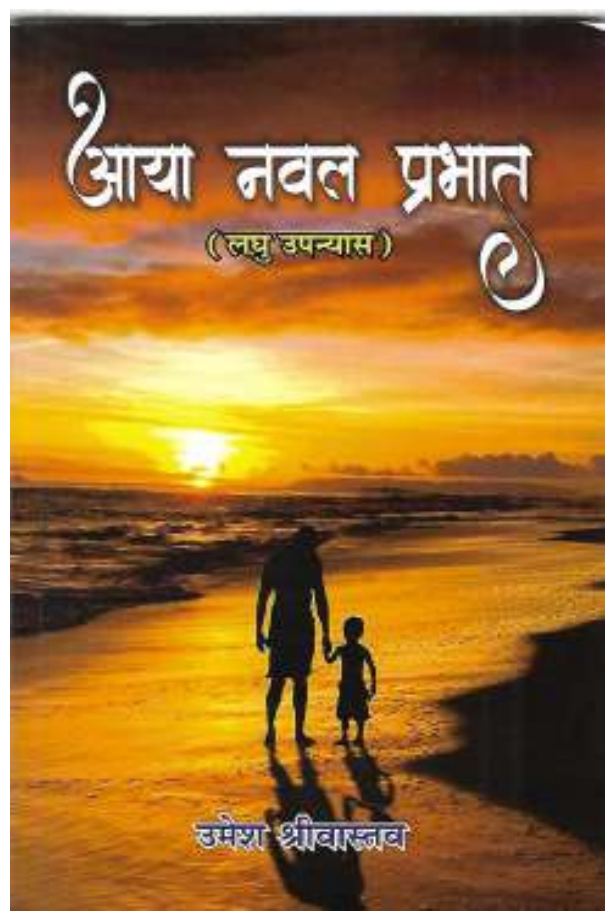

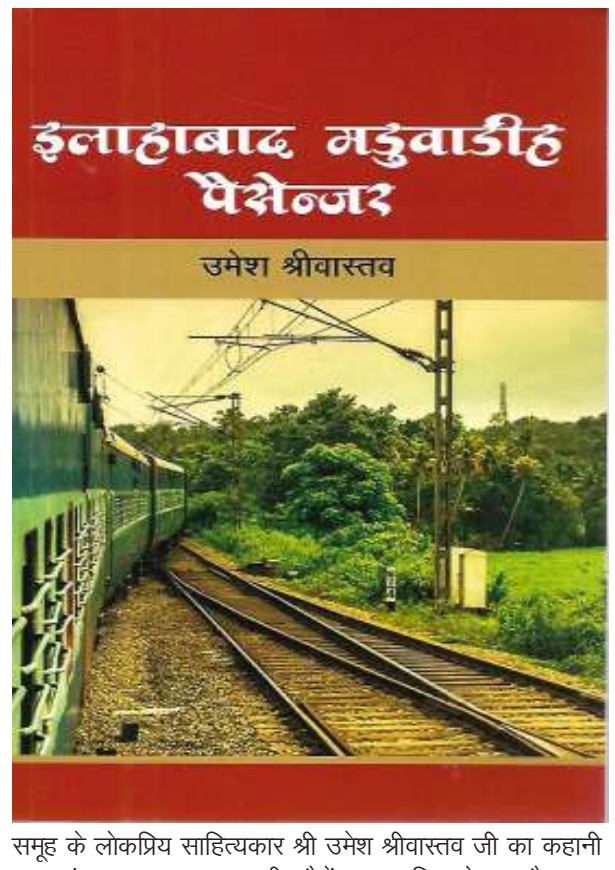

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

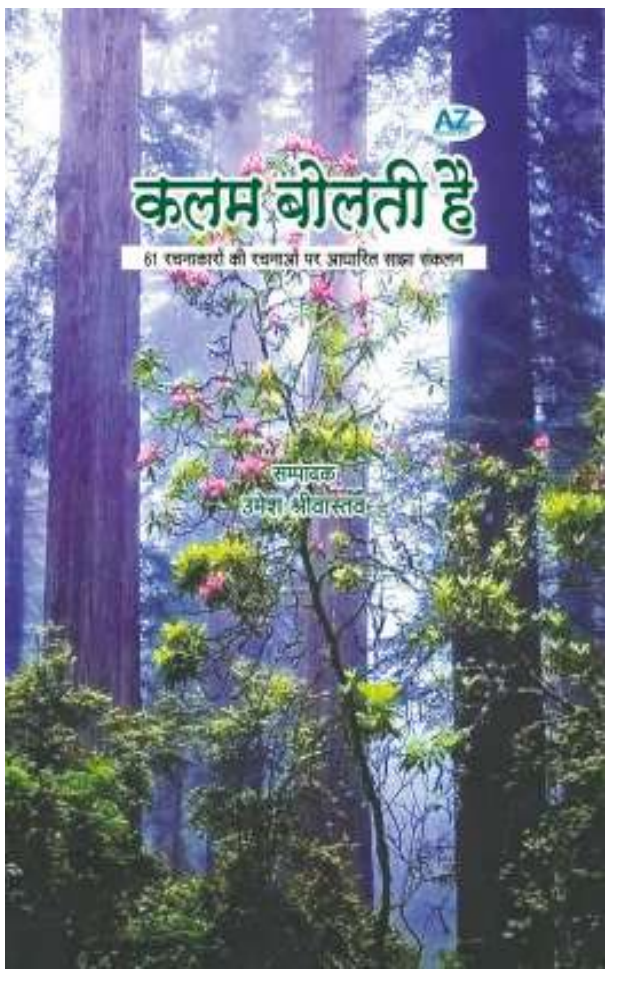

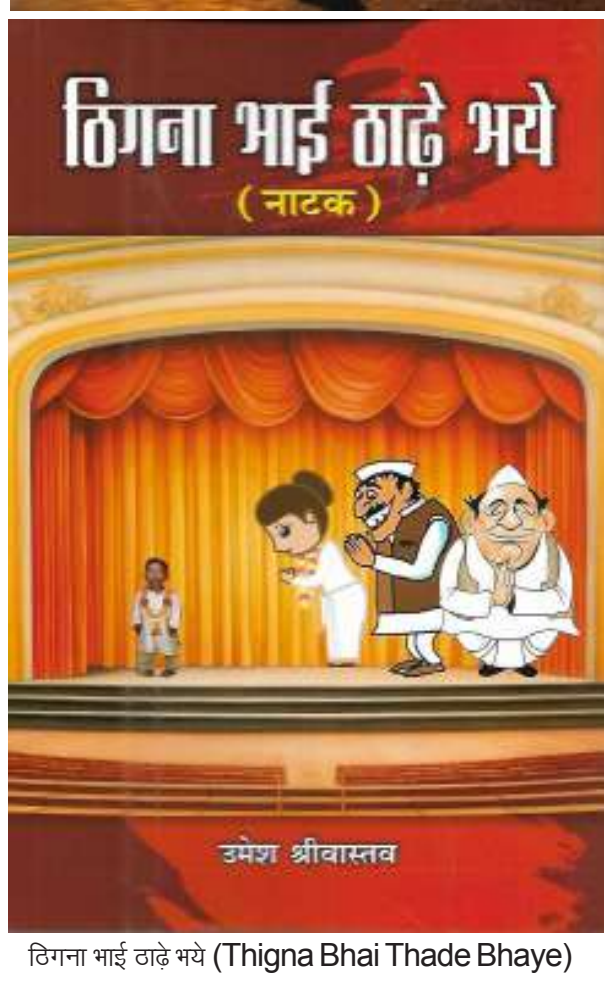

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

रूस पर यूक्रेन का ड्रोन हमला, वेयरहाउस और तेल डिपो को बनाया निशाना, सात लोगों की हुई मौत

मास्को, एजेंसी। यूक्रेन ने शनिवार तड़के रूस के कई इलाकों पर बड़े पैमाने पर ड्रोन हमले किए। रूसी अधिकारियों के अनुसार, मास्को से दक्षिण–पूर्व स्थित तांबोव क्षेत्र के कोटोव्स्क शहर में एक लॉजिस्टिक्स सेंटर पर हुए ड्रोन हमले

में 7 कर्मचारियों की मौत हो गई, जबकि 24 से 25 लोग घायल हुए हैं। सिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, तांबोव के गवर्नर येवगेनी पेर्विशोव ने बताया कि हमला रूस की सबसे बड़ी ऑनलाइन रिटेल कंपनी वाइल्डबेरीज के स्वामित्व वाले वेयरहाउस पर हुआ। उनके मुताबिक, सभी मृतक नाइट शिफ्ट में काम कर रहे थे। गवर्नर ने क्या दावा किया?

गवर्नर ने दावा किया कि रूसी वायु रक्षा प्रणाली ने लक्ष्य तक पहुंचने से पहले 28 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए। उन्होंने कहा कि यदि सभी ड्रोन अपने निशाने तक पहुंच जाते, तो नागरिक हताहतों की संख्या कहीं अधिक हो सकती थी। ड्रोन हमले से एक तेल डिपो में लगी आग इसकी जानकारी मॉस्को क्षेत्र के गवर्नर आंद्रेई वोरोब्योव ने दी। उन्होंने बताया कि ड्रोन के मलबे के गिरने से नोगिंस्क शहर के एक तेल डिपो में आग लग गई। उन्होंने बताया कि इस घटना में दो लोग घायल हुए हैं। एहतियात के तौर पर पास के एक मैटरनिटी हॉस्पिटल को खाली करा लिया गया। हालांकि, तेल डिपो को हुए नुकसान की विस्तृत जानकारी अभी सामने नहीं आई है। यह डिपो हल्के पेट्रोलियम उत्पादों के भंडारण और वितरण के लिए इस्तेमाल किया जाता है। जानकारी के मुताबिक, इस डिपो में पेट्रोल, डीजल और केरोसीन का भंडारण किया जाता है। यहां कुल 24 स्टोरेज टैंक हैं, जिनकी संयुक्त भंडारण क्षमता लगभग 11,500 घन मीटर (क्यूबिक मीटर) है। रूसी अधिकारियों के अनुसार, कोटोव्स्क स्थित लॉजिस्टिक्स सेंटर के वेयरहाउस में लगी आग पर काबू पा लिया गया है, जबकि मौके पर राहत और बचाव कार्य जारी है।

ईरान की US को चेतावनी: अमेरिकी हमले जारी रहे तो 2-3 दिन में आएगी तबाही, क्या पूरे पश्चिम एशिया में फैलेगी जंग?

तेहरान, एजेंसी। ईरान के एक शीर्ष सैन्य सलाहकार ने संयुक्त राज्य अमेरिका को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका दो से तीन दिनों तक ईरान के खिलाफ युद्ध जारी रखता है, तो देश आक्रामक और विनाशकारी चरण में प्रवेश करेगा। सैन्य सलाहकार रेजाई ने क्या कहा?

ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के सैन्य सलाहकार मोहसेन रेजाई ने सरकारी टीवी चौनल आईआरआईबी को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि श्युद्ध और वार्ताश की नीति समाप्त

हो गई है। उन्होंने आगे कहा कि अगर अमेरिकी हमले जारी रहते हैं, तो ईरान के सशस्त्र बल अब केवल जवाबी हमलों तक सीमित नहीं रहेंगे। अमेरिकी ठिकाने और सेनाएं किसी भी राजनीतिक सीमा के भीतर सुरक्षित नहीं रहेंगी। अमेरिका पर क्या आरोप लगाया?

रेजाई ने कहा कि ईरान ने अब तक युद्ध को व्यापक क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय संकट में बदलने से रोकने के लिए संयम बरता है। उन्होंने युद्ध को क्षेत्रीय युद्ध में बदलकर अमेरिका पर गलत अनुमान लगाने का आरोप लगाया। ईरान ने क्या चेतावनी दी? उन्होंने चेतावनी दी कि अगर संयुक्त राज्य अमेरिका ईरान विरोधी कार्रवाई जारी रखता है, तो ईरान जमीनी बलों सहित अतिरिक्त सैन्य क्षमताओं को तैनात करेगा और युद्ध का दायरा बढ़ जाएगा। रेजाई ने कुवैत, जॉर्डन, संयुक्त अरब अमीरात और कतर सहित क्षेत्रीय देशों के लोगों से भी आगे तनाव बढ़ने से रोकने में मदद करने का आह्वान किया।

क्या ईरानी सैन्य अभियानों की तीव्रता बढ़ेगी?

उन्होंने कहा कि वर्तमान चरण में भी, अमेरिकी हमलों के जवाब में ईरान की प्रतिक्रिया बहुत तीव्र रही है। वहीं, चेतावनी दी कि आने वाले दिनों में ईरानी सैन्य अभियानों की तीव्रता बढ़ेगी। रेजाई ने कहा, श्अमेरिका को मिसाइल और ड्रोन हमलों की बढ़ती लहरों का इंतजार करना होगा। उन्होंने वाशिंगटन को ईरान के खिलाफ किसी भी जमीनी अभियान के खिलाफ चेतावनी दी। ईरान ने एक जहाज को निशाना बनाया

इस बीच, ईरान की अर्ध–सरकारी समाचार एजेंसी तसनीम ने शुक्रवार को बताया कि ईरानी सेना ने दिन में पहले होर्मुज जलडमरूमध्य में एक उल्लंघन करने वाले जहाज को निशाना बनाया।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

प्यू रिसर्च: भारत में ट्रंप और अमेरिका पर भरोसा घटा, भारतीयों को किस विदेशी नेता पर सबसे ज्यादा विश्वास ?

न्यूयॉर्क , एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की शुरुआत के साथ ही अमेरिका और भारत के समीकरण में बदलाव देखने को मिला। इसकी एक बड़ी वजह ट्रंप की बयानबाजी और उनके फैसलों को माना जा रहा है। एक अंतरराष्ट्रीय सर्वे के अनुसार, पिछले साल से अब तक अमेरिका को भारत में लेकर लोगों की सकारात्मक सोच में तेजी से बदलाव देखने को मिला है। सर्वे से क्या पता चला है?

अमेरिका के प्यू रिसर्च सेंटर के इस साल के सर्वे से पता चला कि 45 फीसदी भारतीयों की अमेरिका के बारे में अच्छी राय थी, जो पिछले साल से 54 फीसदी कम है। इस हफ्ते पब्लिश हुई रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीयों में से 31 फीसदी की अमेरिका के बारे में नकारात्मक राय थी। हैरानी की बात नहीं है कि सिर्फ 18 फीसदी भारतीयों ने ट्रंप की टैरिफ नीति को सराहा। राष्ट्रपति ट्रंप पर

भारतीय कितने भरोसा करते हैं? बता दें, राष्ट्रपति के टैरिफ नियम पर अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी। कोर्ट के रोक से पहले भारत पर 50 फीसदी तक का असर पड़ा। वैश्विक मामलों में सही फैसले लेने को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर भारतीयों का भरोसा पिछले साल के 52 फीसदी से घटकर इस साल 39 फीसदी रह गया। सर्वे में 36 फीसदी भारतीयों ने कहा कि उन्हें इस साल वैश्विक मुद्दों पर ट्रंप के फैसलों पर भरोसा नहीं है। सबसे ज्यादा किस पर भरोसा करते हैं?

वहीं, दुनिया के प्रमुख नेताओं में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर भारतीयों ने सबसे अधिक भरोसा जताया। सर्वे के मुताबिक, 51 फीसदी भारतीयों ने पुतिन पर विश्वास व्यक्त किया। इसके अलावा, सर्वे में शामिल दूसरे नेताओं में 34 फीसदी भारतीयों को इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर भरोसा था। 33 फीसदी को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों पर, 20 फीसदी को यूक्रेन के प्रेसिडेंट वोलोडिमिर जेलेंस्की पर और 25 फीसदी को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग पर। क्या अमेरिका बहुत ज्यादा दखल देता है?

वहीं, 47 फीसदी भारतीयों का मानना था कि अमेरिका दूसरे देशों के मामलों में सही या बहुत ज्यादा दखल देता है और 30 फीसदी का मानना था कि ऐसा नहीं है। सर्वे के आंकड़े 100 फीसदी नहीं होते, क्योंकि कुछ लोगों ने या तो इस विषय पर कोई राय नहीं दी या फिर सवाल का जवाब नहीं दिया। हालांकि भारत में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिका को लेकर सकारात्मक राय में गिरावट दर्ज की गई, फिर भी इस साल के सर्वे में भारत का रुख 36 देशों के औसत (मीडियन) से बेहतर रहा। भारत उन चुनिंदा देशों में शामिल रहा, जहां अमेरिका के प्रति अपेक्षाकृत अधिक सकारात्मक सोच देखने को मिली, खासकर चीन की तुलना में। अमेरिका के बारे में अन्य दोशों का क्या राय?

अमेरिका के बारे में सकारात्मक सोच पिछले साल के 49 फीसदी से घटकर 37 फीसदी रह गई, हालांकि इसमें सिर्फ 24 देश शामिल थे। सर्वे किए गए देशों में से, 76 फीसदी को ट्रंप पर भरोसा नहीं था कि वे दुनिया के लिए सही काम करेंगे और सिर्फ 23 फीसदी को उन पर भरोसा था। सर्वे में शामिल दूसरे मुद्दों पर, भारतीयों में ट्रंप की नीति के लिए अप्रूवल रेट 32 फीसदी था, इमिग्रेशन के लिए 17, ईरान के लिए 28, यूक्रेन के लिए 26, गाजा के लिए 18 और ग्रीनलैंड के लिए 23 फीसदी रहा। पाकिस्तान में ट्रंप को लेकर क्या राय है?

54 फीसदी भारतीयों ने कहा कि अमेरिकी सरकार व्यक्तिगत स्वतंत्रता का सम्मान करती है। पाकिस्तान में सर्वे में शामिल 82 फीसदी लोगों की उनके बारे में नकारात्मक राय थी। सर्वे किए गए देशों में यह आंकड़ा सबसे ज्यादा था और सिर्फ 12 फीसदी लोगों ने उन्हें सकारात्मक बताया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने दूसरे कार्यकाल में पाकिस्तान को बहुत तरजीह दी है, हालांकि इसके बावजूद भी ट्रंप को लेकर इस सर्वे का परिमाण उस स्तर का नहीं दिखा। अमेरिका को लेकर पाकिस्तान के 81 प्रतिशत लोगों की राय नकारात्मक रही। वहीं, 76 प्रतिशत लोगों का मानना है कि अमेरिका अन्य देशों के मामलों में काफी हद तक दखल देता है। सर्वे में शामिल देशों में चीन को पाकिस्तान में सबसे अधिक सकारात्मक रेटिंग मिली। चीन के प्रति 90 प्रतिशत पाकिस्तानियों ने अनुकूल राय व्यक्त की। सर्वे में शामिल देशों में चीन के बारे में सकारात्मक सोच रखने वालों का अनुपात पिछले साल के 38 फीसदी से बढ़कर इस साल 46 फीसदी पर पहुंचा, जबकि अमेरिका के लिए यह 48 से घटकर 36 फीसदी हो गया है। भारत में चीन के बारे में अच्छी राय पिछले साल के 21 फीसदी से थोड़ी बढ़कर इस साल 23 फीसदी हो गई।

PoK में हो रही हिंसा पर UN की एंट्री: पाकिस्तान से मांगा जवाब, नेताओं की गिरफ्तारी और इंटरनेट बंदी पर सवाल

एजेंसी/पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoK) में जारी अशांति को लेकर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय (OHCHR) ने गहरी चिंता जताई है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच संयम बरतने की अपील की है और प्रदर्शनकारियों के साथ–साथ सुरक्षाबलों की मौतों की निष्पक्ष, त्वरित और व्यापक जांच कराने की मांग की है। जिनेवा से शुक्रवार को जारी बयान में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने कहा कि जुलाई के अंत में होने वाले क्षेत्रीय चुनावों से पहले पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में अशांति की लहर देखने को मिल रही है। बयान के मुताबिक, 27 जुलाई को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले जून से अब तक दर्जनों लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें अधिकांश प्रदर्शनकारी हैं, जबकि कुछ कानून–व्यवस्था बनाए रखने वाले सुरक्षाकर्मी भी शामिल हैं। मौतों की निष्पक्ष जांच की मांग क्यों की गई? संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर

तुर्क ने अशांति के दौरान हुई सभी मौतों की त्वरित, गहन और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों, दोनों पक्षों में हुई मौतों की परिस्थितियों की पारदर्शी जांच होनी चाहिए ताकि जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके। बयान के अनुसार, विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व कर रही संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी (JAAC) पर आतंकवाद–रोधी कानूनों के तहत प्रतिबंध लगा दिया गया है। इस संगठन में व्यापारी, ट्रांसपोर्टर, छात्र, वकील, सामाजिक कार्यकर्ता और विभिन्न वर्गों के लोग शामिल हैं। पाकिस्तान प्रशासन का आरोप है कि यह संगठन सार्वजनिक व्यवस्था और सुरक्षा के लिए खतरा बन रहा था। प्रतिबंध के बाद संगठन के कई नेताओं को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि किसी नागरिक संगठन को अपराधी घोषित करना और सार्वजनिक सभाओं पर कड़े प्रतिबंध लगाना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, शांतिपूर्ण सभा करने के अधिकार और संगठन बनाने की स्वतंत्रता जैसे बुनियादी अधिकारों के उल्लंघन को लेकर गंभीर चिंता पैदा करता है। गिरफ्तार नेताओं को लेकर क्या कहा गया? वोल्कर तुर्क ने कहा कि गिरफ्तार किए गए JAAC नेताओं को कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए और उन्हें अपने परिवारों से संपर्क करने का अवसर मिलना चाहिए। साथ ही उनके निष्पक्ष सुनवाई और विधिसम्मत प्रक्रिया के सभी अधिकारों की पूरी तरह गारंटी दी जानी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र ने क्षेत्र में इंटरनेट सेवाओं पर लगाए गए प्रतिबंधों पर भी चिंता व्यक्त की है। बयान में कहा गया कि ऐसे समय में जब क्षेत्र में तनाव चरम पर है, इंटरनेट पर रोक लगाने से लोगों के सूचना प्राप्त करने, साझा करने और अपनी बात रखने के अधिकार पर असंगत प्रभाव पड़ता है। संयुक्त राष्ट्र ने अधिकारियों से पूरे क्षेत्र में इंटरनेट सेवाएं बहाल करने की अपील की है।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने अधिकारियों से स्थानीय लोगों की मूल समस्याओं और शिकायतों के समाधान के लिए सार्थक, समावेशी और व्यापक राजनीतिक संवाद शुरू करने का आग्रह किया है। उनका कहना है कि स्थायी शांति और स्थिरता का रास्ता केवल संवाद और लोकतांत्रिक प्रक्रिया से ही निकल सकता है।

जेडी वेंस के परिवार से परेशान हुई सीक्रेट सर्विस, उपराष्ट्रपति के किन मांगों पर एजेंटों ने जताई नाराजगी?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उनके परिवार की सुरक्षा में

तैनात अमेरिकी सीक्रेट सर्विस के कई एजेंट कथित तौर पर उनकी बार–बार होने वाली अचानक यात्रा योजनाओं और आखिरी समय में बदले जाने वाले कार्यक्रमों से परेशान हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इन लगातार बदलावों से सुरक्षा व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है, टीम का मनोबल प्रभावित हो रहा है और सरकारी धन के अनावश्यक खर्च को लेकर भी शिकायतें सामने आई हैं। क्या गोल्फ सीखने के लिए हेलीकॉप्टर ले जाने की तैयारी थी? एमएस नाउ की रिपोर्ट के अनुसार, एक घटना ने कई सुरक्षा एजेंटों को खास तौर पर नाराज कर दिया। बताया गया कि वेंस और उनके छोटे बेटे को गोल्फ सीखने के लिए वॉशिंगटन के एक हिस्से से दूसरे हिस्से तक मरीन टू हेलीकॉप्टर से ले जाने का प्रस्ताव रखा गया था। हालांकि खराब मौसम के कारण यह उड़ान नहीं हो सकी, लेकिन केवल इस तरह का प्रस्ताव ही कई एजेंटों को हैरान कर गया। रिपोर्ट के मुताबिक, एक एजेंट ने निजी संदेश में कहा कि यह पूरी तरह बेतुका है। माइक पेंस और कमला हैरिस ने कभी ऐसा नहीं किया। एक दूसरे एजेंट ने कहा कि ये लोग हर समय अपना कार्यक्रम बदल देते हैं। तय समय का पालन नहीं करते और इससे करदाताओं के लाखों डॉलर बेवजह खर्च होते हैं। एक हेलीकॉप्टर यात्रा पर कितना आता है खर्च?

रिपोर्ट में कहा गया है कि मरीन टू हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल करने के लिए व्हाइट हाउस सैन्य कार्यालय की मंजूरी जरूरी होती है। वर्ष 2022 के पेंटागन के बजट के अनुसार, इस हेलीकॉप्टर को उड़ाने पर हर घंटे 16 हजार से 24 हजार 600 अमेरिकी डॉलर तक खर्च आता है। सूत्रों के अनुसार, सरकारी हेलीकॉप्टर के इस्तेमाल पर कोई औपचारिक रोक नहीं है, लेकिन इस तरह की यात्रा पहले कभी नहीं हुई। उनका कहना है कि ऐसी अचानक की गई मांगों से सुरक्षा एजेंसियों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। क्या नया घर देखने के लिए भी कई बार हेलीकॉप्टर से गए?

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि जेडी वेंस और उनकी पत्नी उषा वेंस, जो अमेरिका की सेकेंड महिला हैं, हाल ही में नया घर देखने के लिए वर्जीनिया के मिडलबर्ग कई बार हेलीकॉप्टर से गए। दंपति के तीन बच्चे हैं जिनकी उम्र 9, 6 और 4 वर्ष है। रिपोर्ट के अनुसार, वे अपने चौथे बच्चे के आने का इंतजार कर रहे हैं। एक सूत्र ने कहा कि बार–बार कार्यक्रम बदलने और पहले से जानकारी नहीं देने की वजह से सुरक्षा टीम में नाराजगी बढ़ती जा रही है। बार–बार बदलते शेड्यूल से टीम परेशान सूत्र के मुताबिक, सुरक्षा टीम इस बात से थक चुकी है कि उन्हें पहले से कोई सूचना नहीं दी जाती और लगभग हर योजना आखिरी समय में बदल दी जाती है। वेंस अब भी खुद को अमेरिकी सीनेटर की तरह स्वतंत्र रूप से घूमने वाला व्यक्ति समझते हैं। मजाक उड़ाने के लिए एजेंटों ने बनवाए स्टिकर? रिपोर्ट के अनुसार, सुरक्षा टीम के भीतर नाराजगी इतनी बढ़ गई कि कुछ एजेंटों ने अनौपचारिक स्मृति–चिह्न और स्टिकर बनवा लिए। एक स्टिकर पर बॉबकैट (वेंस का सीक्रेट सर्विस पहचान नाम) की तस्वीर के साथ श्टीबीडी, टीबीडीश और नीचे श्पहले तैयारी करो, फिर आखिरी समय में बदलाव करो, और यही सिलसिला दोहराओश जैसा संदेश लिखा गया था। दूसरा स्टिकर पुलिस बैज की तरह बनाया गया था, जिस पर लिखा था श्बॉबकैट ओटीआर सर्वाइवर्स क्लब। वेंस के दफ्तर ने इन आरोपों पर क्या कहा?

द इंडिपेंडेंट के अनुसार, उपराष्ट्रपति वेंस के प्रवक्ता ने इन सभी आरोपों को खारिज करते हुए सुरक्षा एजेंटों की तारीफ की। उन्होंने कहा कि वेंस परिवार अमेरिकी सीक्रेट सर्विस के सभी अधिकारियों का आभारी है, जो पूरी निष्ठा और ईमानदारी से देश की सेवा कर रहे हैं। ऐसे उपराष्ट्रपति की सुरक्षा करना, जिनके पास कई बड़ी जिम्मेदारियां हैं और जिनका परिवार भी छोटा होने के साथ बढ़ रहा है, आसान काम नहीं है। इसके बावजूद सीक्रेट सर्विस के एजेंट हर दिन अपना काम बेहतरीन तरीके से कर रहे हैं।

क्या सीक्रेट सर्विस ने अपने एजेंटों का बचाव किया? सीक्रेट सर्विस के उप निदेशक मैथ्यू क्विन ने कहा कि सुरक्षा एजेंट पहले से जानते हैं कि वरिष्ठ नेताओं की सुरक्षा में लंबे समय तक काम करना, लगातार यात्रा करना और हर समय बदलती परिस्थितियों के अनुसार काम करना उनकी जिम्मेदारी का हिस्सा है।

बांग्लादेश में हिंदू युवक की गिरफ्तारी के खिलाफ अल्पसंख्यकों का प्रदर्शन, BNP सरकार क्या की मांग?

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में एक हिंदू युवक की गिरफ्तारी के विरोध में शुक्रवार को राजधानी ढाका में बड़ी संख्या में अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का आयोजन बांग्लादेश हिंदू–बौद्ध–ईसाई एकता परिषद ने नेशनल प्रेस क्लब के सामने किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि हिंदू युवक हरिदास चंद्र तरणी दास को झूठे मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया गया है। उनका कहना है कि यह कार्रवाई इसलिए की गई क्योंकि उन्होंने उत्तरी बांग्लादेश के गाइबांधा जिले के पलाशबाड़ी इलाके में भगवान राम की 81 फीट ऊंची प्रतिमा बनाने की पहल की थी।

बांग्लादेश हिंदू–बौद्ध–ईसाई एकता परिषद के महासचिव मणिंद्र कुमार नाथ ने गिरफ्तारी की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि सरकार ने दो–तीन दिन पहले हरिदास चंद्र तरणी दास को गिरफ्तार किया और उन्हें जेल भेज दिया। उन्होंने कहा कि केवल भगवान राम की प्रतिमा निर्माण से जुड़े होने के कारण किसी व्यक्ति को गिरफ्तार करना स्वीकार नहीं किया जा सकता। अल्पसंख्यकों पर अत्याचार का लगाया आरोप मणिंद्र कुमार नाथ ने दावा किया कि पिछले दो वर्षों में बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के खिलाफ लगातार हिंसा और उत्पीड़न की घटनाएं हुई हैं। उनके अनुसार, पिछले एक वर्ष में देशभर में करीब 3,000 घटनाएं सामने आईं। इनमें 66 लोगों की हत्या हुई और कई मंदिरों पर कट्टरपंथियों ने हमले किए। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं बेहद दुर्भाग्यपूर्ण हैं और इन्हें बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। सरकार को दी चेतावनी एकता परिषद के वरिष्ठ नेता सुब्रत चौधरी ने सरकार से मांग की कि ऐसे लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ तुरंत कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि हरिदास चंद्र तरणी दास की गिरफ्तारी किसके निर्देश पर की गई। उनका कहना था कि सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि इस कार्रवाई के पीछे कौन लोग हैं और चाहे वे कितने भी बड़े अधिकारी हों, उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। रिहाई नहीं हुई तो आंदोलन की चेतावनी प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि हरिदास चंद्र तरणी दास को तुरंत रिहा किया जाए।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि ऐसा नहीं हुआ तो बांग्लादेश का हिंदू, बौद्ध और ईसाई समुदाय मिलकर देशभर में बड़ा आंदोलन शुरू करेगा। पहले भी हुआ था विरोध यह मामला ऐसे समय सामने आया है जब पिछले महीने भी गाइबांधा जिले में एक इस्लामी प्रदर्शन के दौरान भगवान राम की प्रतिमा के कथित अपमान को लेकर हिंदू समुदाय ने विरोध प्रदर्शन किया था। अब हरिदास चंद्र तरणी दास की गिरफ्तारी के बाद अल्पसंख्यक संगठनों का विरोध और तेज हो गया है।

ग्लोबल वॉर्मिंग का कहर: यूरोप में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी ने ली 10,000 लोगों की जान, बुजुर्गों पर सबसे ज्यादा आफत

लंदन, एजेंसी। यूरोप ने इस साल अप्रत्याशित रूप से भीषण गर्मी का सामना किया और पूरे महाद्वीप से संकलित आंकड़ों के मुताबिक, तापमान में बेतहाशा वृद्धि से जुड़ी घटनाओं में सामान्य से कहीं अधिक करीब 10 हजार लोगों की जान गई है। अध्ययनकर्ताओं के अनुसार, जून के अंत में इसमें तेजी से तब वृद्धि हुई जब यूरोप के कुछ हिस्सों में तापमान ने रिकॉर्ड तोड़ दिया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।